प्रयास पाठ्यपुस्तक हिन्दी - 2

शिक्षकों से . . .

बच्चों की अपनी अनोखी दुनिया होती है। उनके पास सीखने की स्वाभाविक क्षमता होती है। अपने ज्ञान-सृजन हेतु वे अवलोकन एवं अनुकरण तो करते ही हैं; अपने अनुभवों के द्वारा तरह-तरह के क्रियाशीलनों में संलग्न होकर कुछ-न-कुछ सीखते रहते हैं। ऐसे में शिक्षकों का यह दायित्व हो जाता है कि वे सभी बच्चों में सीखने की स्वाभाविक क्षमता को पुष्पित-पल्लवित होने के पर्याप्त अवसर प्रदान करें। बच्चे मनोरंजनात्मक ढंग से बिना बोझ के खुशी-खुशी सीख सकें, इसके लिए यह आवश्यक हो जाता है कि शिक्षक विभिन्न क्रियाशीलनों का आयोजन करें, बच्चों को उनमें भाग लेने हेतु प्रेरित करें, स्वयं भी उनमें भाग लें ताकि बच्चे स्वाभाविक रूप से सीख सकें।

प्रस्तुत पुस्तक में उक्त बातों को ध्यान में रखते हुए बच्चों को स्वयं कुछ करने, अवलोकन करने, अवधारणाओं को स्पष्ट करने के लिए रुचिकर तरीकों का उपयोग किया गया है। इसके लिए पाठ के साथ-साथ अभ्यास का सुंदर समायोजन किया गया है।

बच्चों के मन में विद्यालय का अनुशासन एवं शिक्षक से भय, बस्ते का बोझ आदि रह सकता है। इन्हें दूर करने तथा बच्चों की उपलब्धि के स्तर में वृद्धि हेतु निम्नांकित बातों का ध्यान रखें :

- प्रारंभ में बच्चों से उनकी स्थानीय बोली (मातृभाषा) में बातचीत करें।
- पुस्तक को स्वयं पढ़कर अच्छी तरह समझ लें।
- प्रत्येक बच्चे की विशेषताओं तथा विभिन्नताओं को जानें तथा इसे संधारित कर इसका प्रयोग उनकी क्षमता-संवर्द्धन हेतु करें।
- वैसे बच्चे जो गुमसुम या चुप रहते हैं, उनके ऊपर उत्तरदायित्व सौंपें, आगे बढ़कर उन्हें काम करने का अवसर दें तथा अपनी बात रखने हेतु प्रेरित करें।
- बच्चों के साथ गतिविधियों - खेल, गीत, कविता, कहानी में स्वयं भी भाग लें।
- बच्चों को 'स्वयं' सीखने तथा समूह-कार्य कर सीखने का पर्याप्त अवसर प्रदान करें।
- प्रत्येक बच्चे की सीखने की अपनी गति होती है, उसे अपनी गति से सीखने की पूरी स्वतंत्रता दें।

- बच्चे अपने सहपाठियों के बीच बातचीत कर बहुत कुछ सीखते हैं। अतः बच्चे के सम-समूह में सीखने को बढ़ावा दें।
- कई पाठों को पढ़ाने के क्रम में शिक्षण-सामग्री की आवश्यकता पड़ेगी, उनकी व्यवस्था पढ़ाई शुरू करने के पूर्व ही कर लें।
- इस पुस्तक के अतिरिक्त अभ्यास-पुस्तिका भी अलग से दी गई है। पुस्तक तथा अभ्यास-पुस्तिका पर बच्चे पेंसिल से लिखेंगे ताकि उन्हें पर्याप्त अभ्यास का अवसर मिल सके।
- बिना किसी जाति या लिंग-भेद के सभी के साथ समान व्यवहार करें।
- अध्यापन-संकेतों को पढ़कर समझ लें तथा उनके अनुसार गतिविधियाँ करना-कराना सुनिश्चित करें।
- पुस्तक की गतिविधियों के अतिरिक्त स्वयं भी गतिविधियों का सृजन करें एवं बच्चों के साथ उन्हें करें।
- बच्चे अनमोल हैं। आपका थोड़ा-सा प्रयास इन बच्चों को नया जीवन देगा।
- पाठों के बीच-बीच में कुछ मनोरंजक क्षेपक (चित्रकथा) दिये गये हैं, उन्हें बच्चों के बीच पढ़ें-पढ़ायें ताकि उनका शैक्षिक मनोरंजन भी हो।

शुभकामनाओं सहित

अनुक्रमणिका

क्रम-संख्या	पाठ	विधा	पृष्ठ-संख्या
1.	प्रार्थना	(कविता)	1
2.	हमारा गाँव	(निबंध)	6
3.	मेहनती किसान	(कथा)	9
4.	पतंग	(कविता)	12
5.	दोस्ती	(कथा)	16
6.	तितली और कली	(कविता)	20
7.	अधिक बलवान कौन?	(कथा)	23
8.	गाजर	(कविता)	28
9.	अक्ल बड़ी या भैंस ?	(चित्रकथा)	31
10.	दिशाएँ	(बातचीत)	36
11.	एक किरण	(कविता)	40
12.	सौदागर और गधा	(कथा)	45
13.	जुगनू	(कविता)	47
14.	गौरैया	(निबंध)	49
15.	बहुत हुआ	(कविता)	54
16.	श्रम और धन	(कथा)	57
17.	कहानी बनायें	(चित्र)	60

1. प्रार्थना

तन हो सुन्दर, मन हो सुन्दर,
प्रभु, मेरा जीवन हो सुन्दर।
प्रभु, मेरा बचपन हो सुन्दर,
प्रभु, मेरा हर पल हो सुन्दर।
विनती करतें हम नादान,
विनती सुन लो हे भगवान!
हमें पढ़ाना, हमें लिखाना,
बुरे कर्म से हमें बचाना।
पढ़-लिखकर हम बनें महान,
विनती सुन लो हे भगवान!

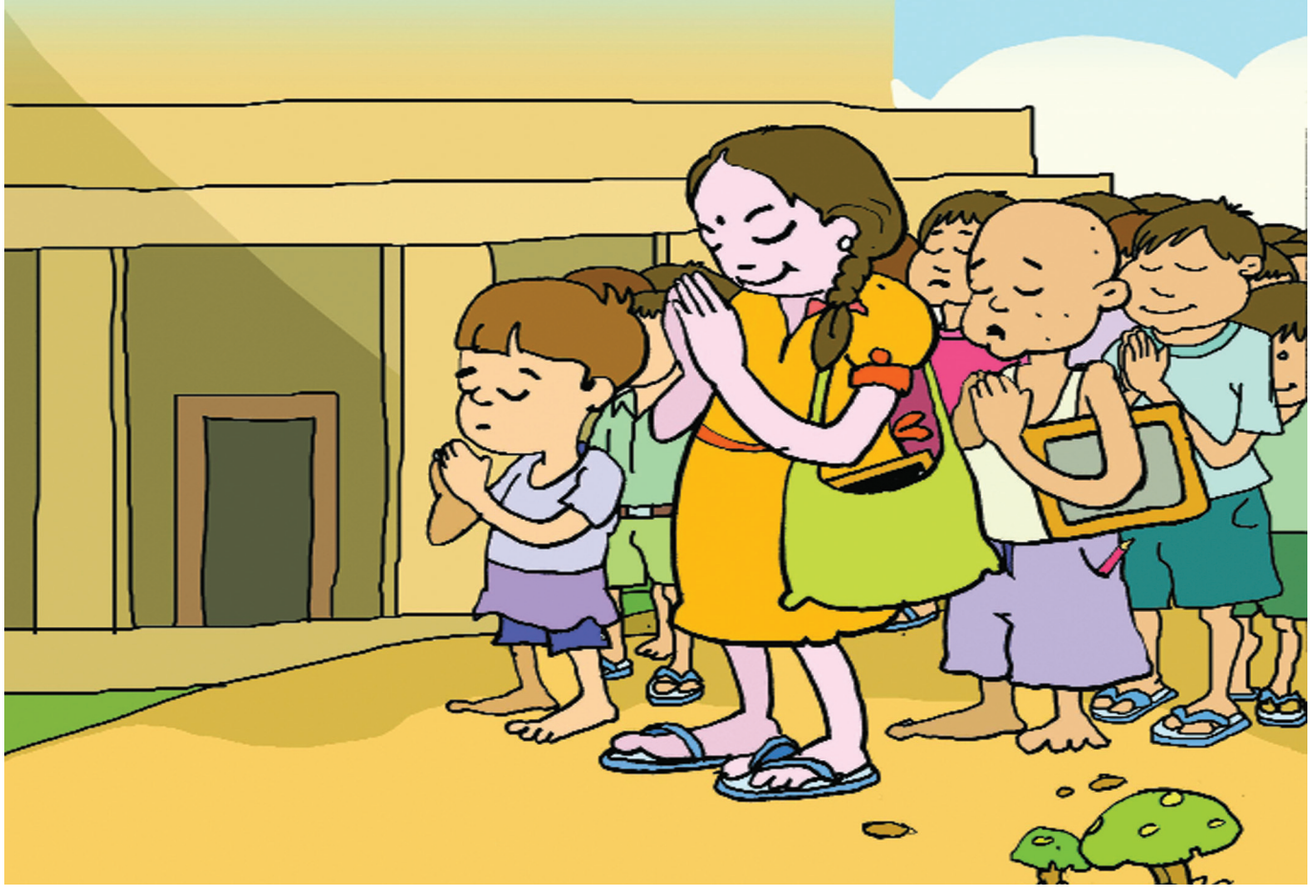

अध्यापन -संकेत यह प्रार्थना स्वयं गायें और बच्चों को दोहराने के लिए कहें। केन्द्र पर सुबह की प्रार्थना में भी इसे गवायें।

अभ्यास

1. कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए :

प्रभु ..... जीवन हो .....

..... मेरा हर पल .....

..... कर हम बनें .....

विनती ..... लो हे .....

2. सही-सही मिलाइए :

तन हो सुन्दर	हे भगवान
प्रभु, मेरा	हमें बचाना
विनती करते	हमें लिखाना
हमें पढ़ाना	हम नादान
बुरे कर्म से	बचपन हो सुन्दर
विनती सुन लो	मन हो सुन्दर

3. बताइए :

(क) कविता में 'सुन्दर' शब्द कितनी बार आया है?

(ख) आपको क्या-क्या सुन्दर लगता है?

(ग) 'प्रभु' को हम और किन-किन नामों से जानते हैं?

प्रार्थना में आये '**न**' और '**र**' से अंत होने वाले शब्दों को लिखिए :

देखिए, समझिए और सीखिए :

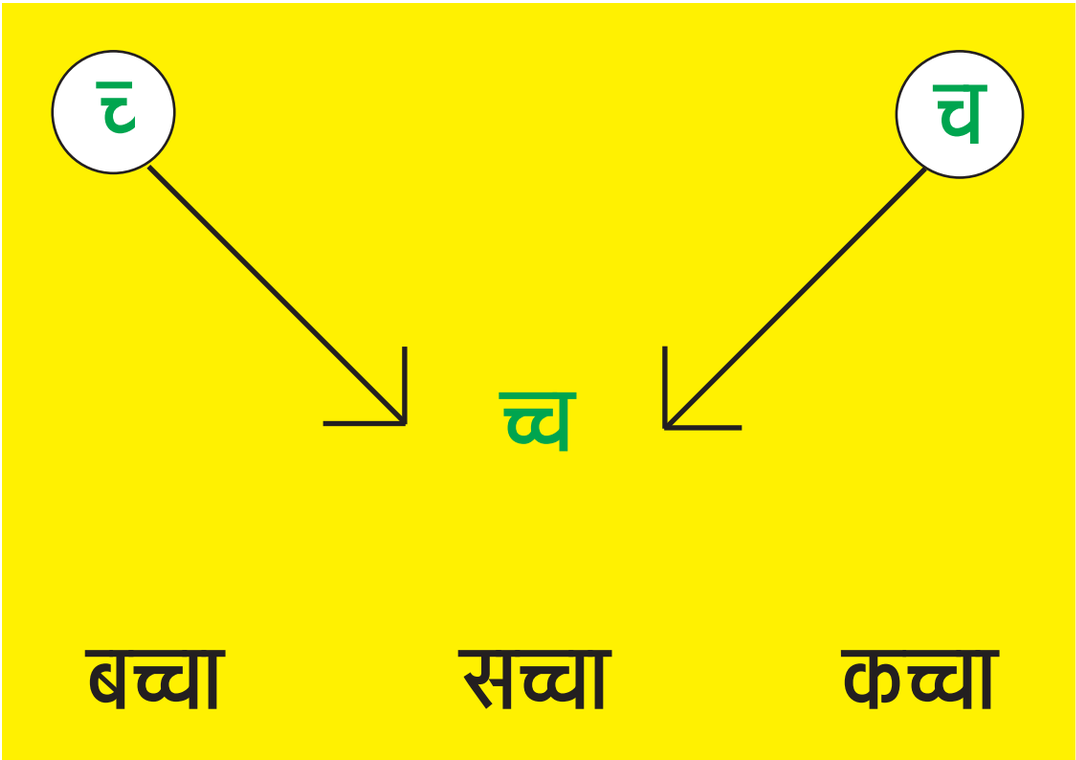

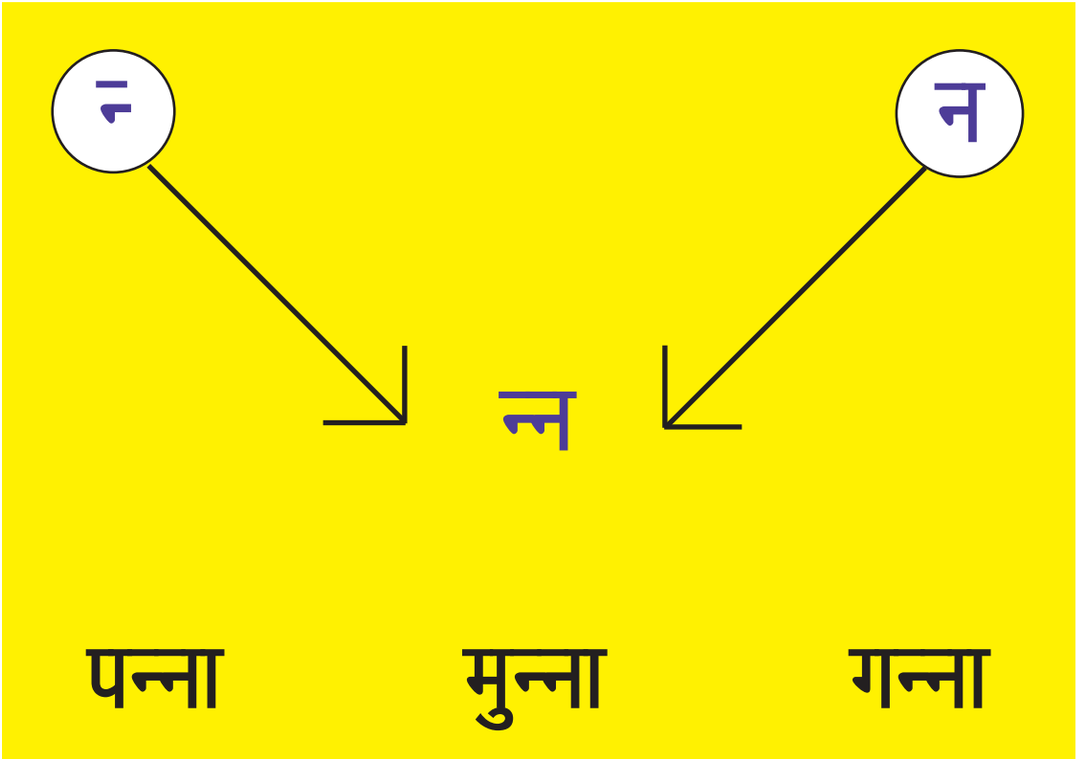

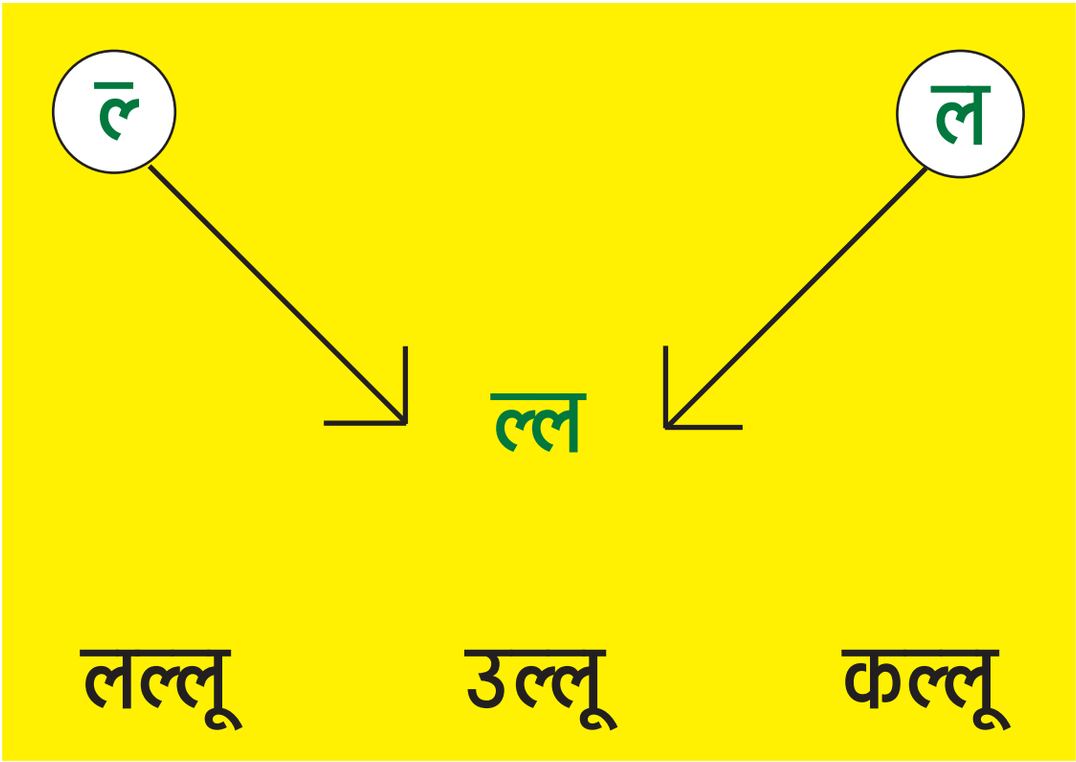
ल
ल
ल्ल
लल्लू
उल्लू
कल्लू

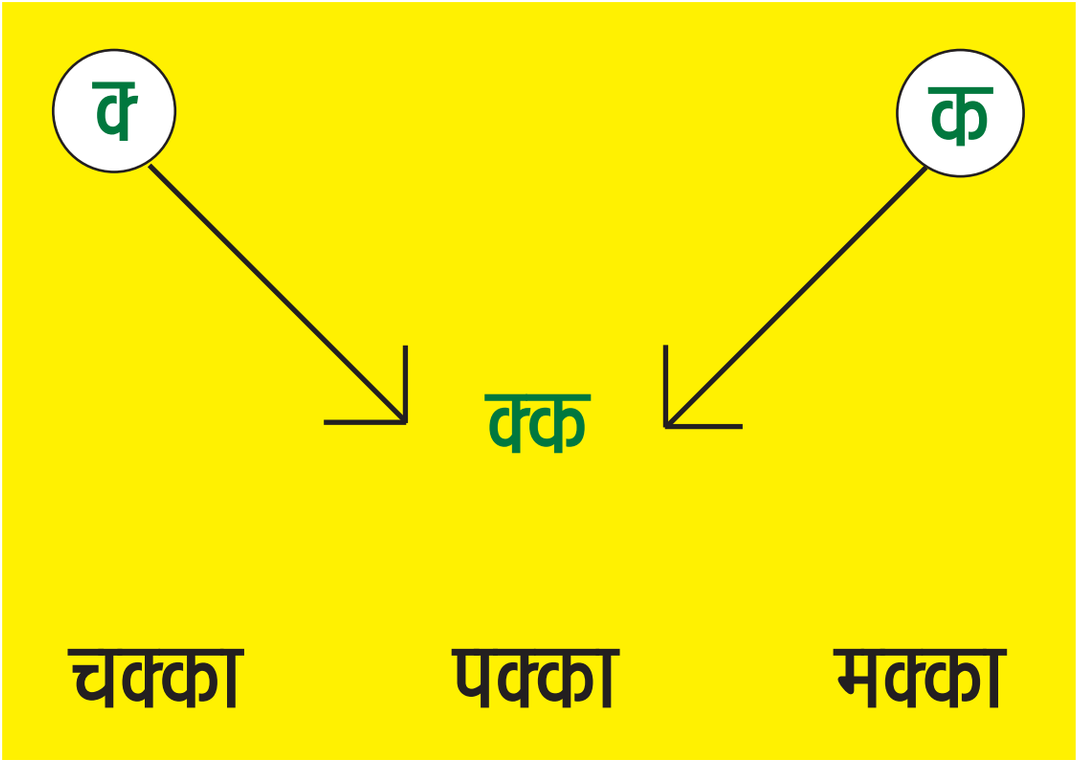
क
क
क्क
चक्का
पक्का
मक्का

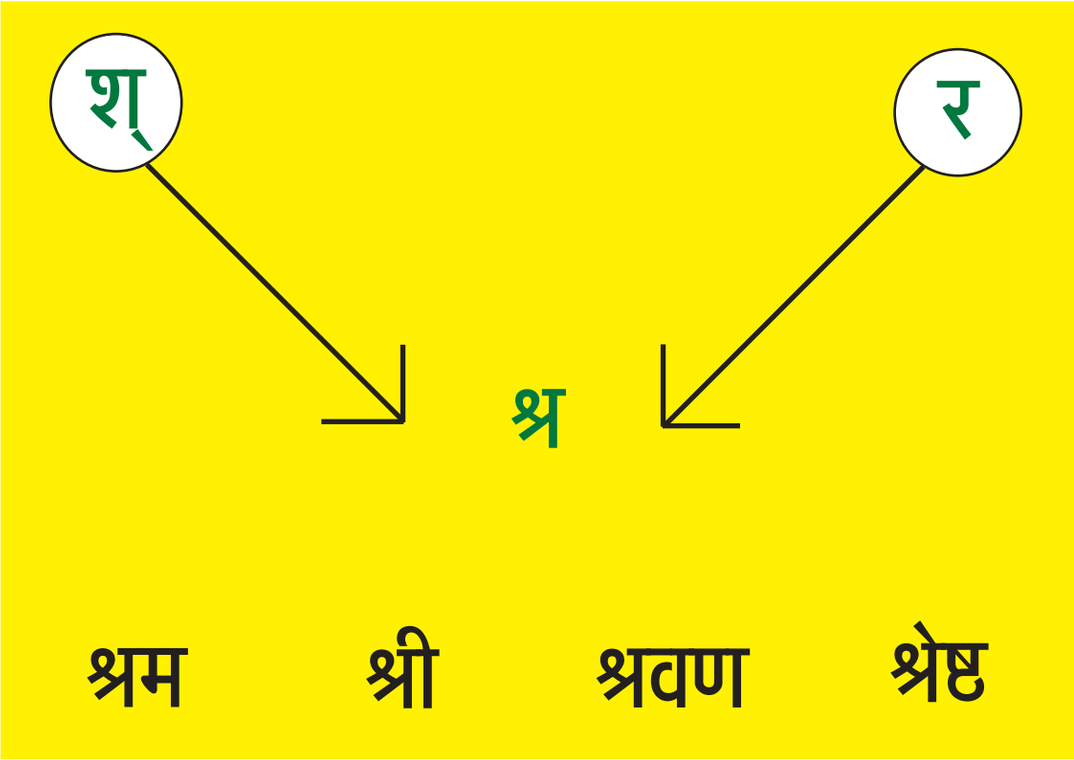
श्
र
श्र
श्रम
श्री
श्रवण
श्रेष्ठ

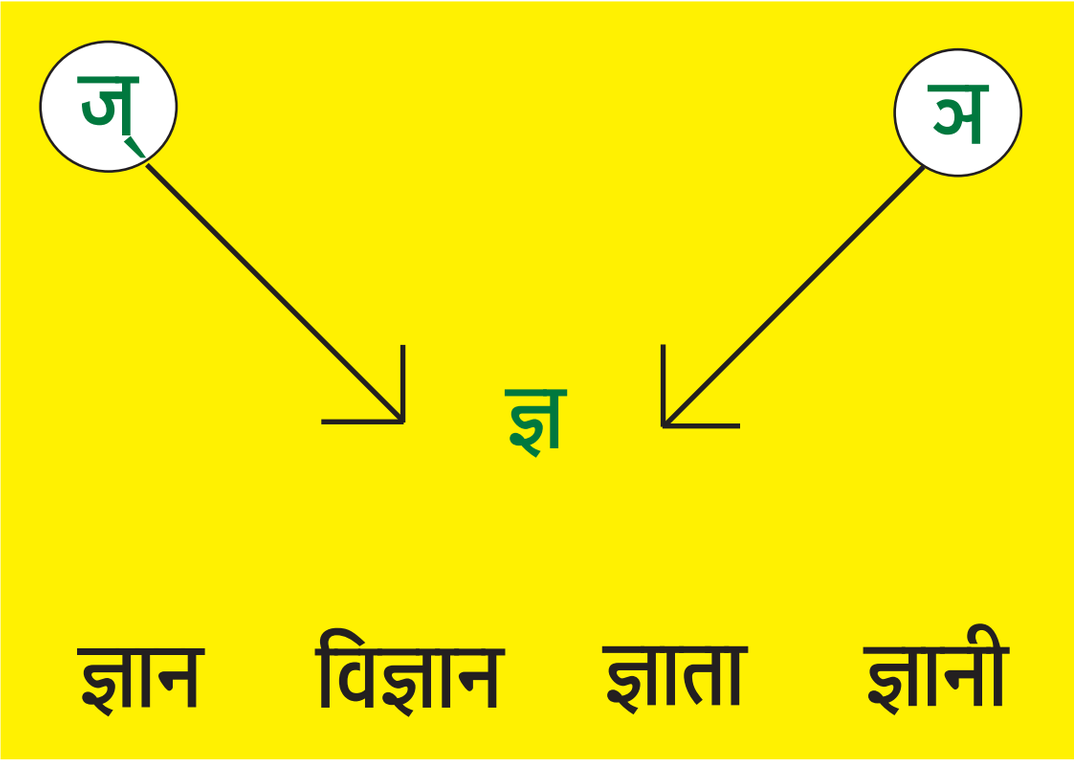
ज्
ञ
ज्ञ
ज्ञान
विज्ञान
ज्ञाता
ज्ञानी

2. हमारा गाँव

हमारा गाँव बहुत सुन्दर है। यह नदी के किनारे है। हमलोग नदी में नहाते हैं। नहाने में बहुत मजा आता है। नदी में तैरना हमें बहुत भाता है। नदी में तरह-तरह की मछलियाँ हैं। कभी-कभी ज्यादा वर्षा होने पर नदियाँ पूरी भर जाती हैं और उनके किनारों से पानी बाहर फैलने लगता है। पानी जब ज्यादा फैल जाता है तो खेत और घर डूब जाते हैं। ऐसी स्थिति को बाढ़ कहते हैं।

हमारे गाँव में आम, लीची, कटहल, जामुन, बेल, शरीफा और अमरूद के पेड़ हैं। इनके फल हमें बहुत पसंद हैं। हमारे गाँव के पास एक हाट भी लगती है। यहाँ जरूरत की बहुत सारी चीजें मिलतीं हैं। हमारे गाँव में हर साल मेला लगता है। हम मेले में खूब मौज-मस्ती करते हैं।

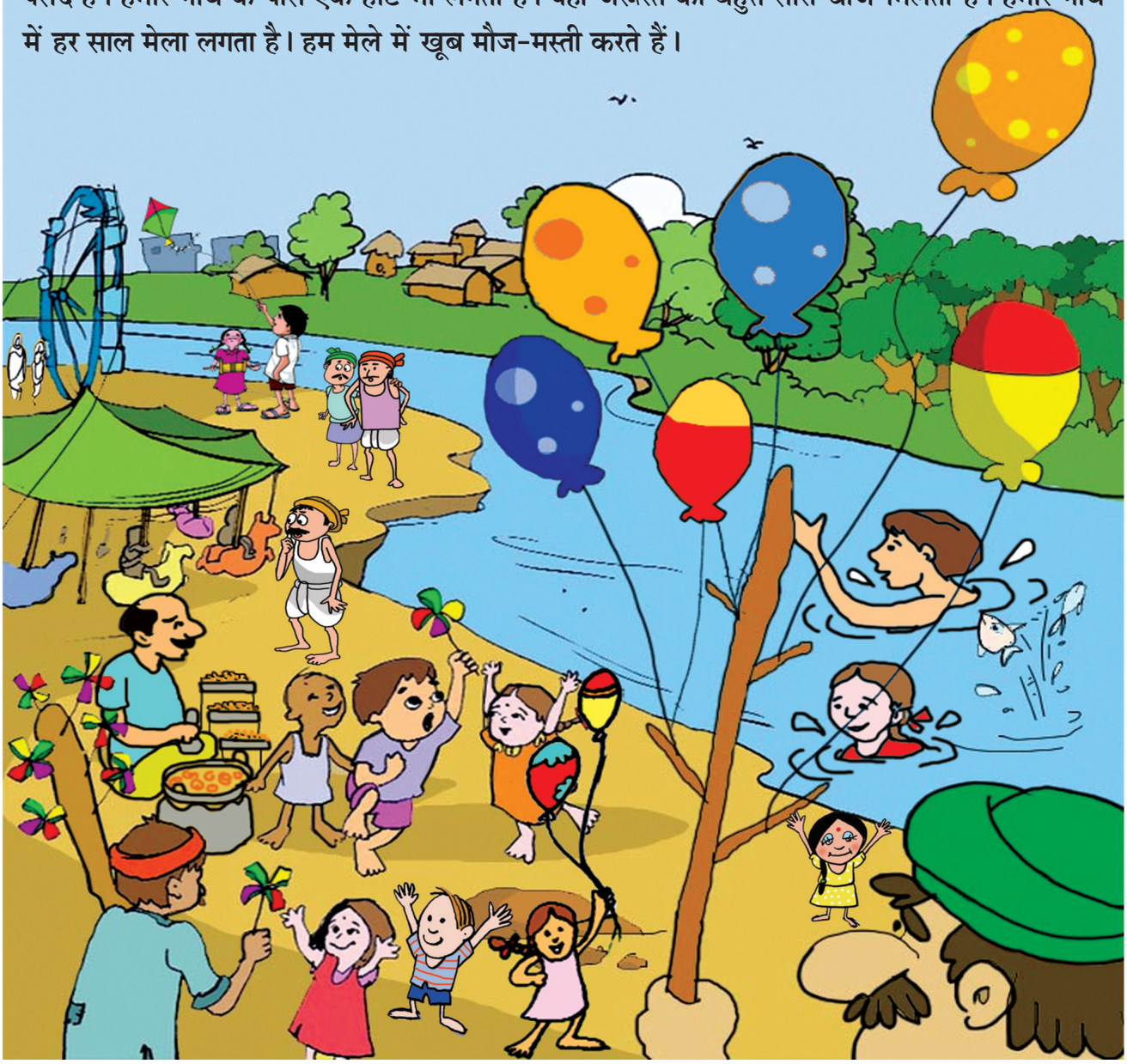

अध्यापन -संकेत बच्चों को भी इसी प्रकार अपने गाँव के बारे में बताने को कहें। बच्चों को मेले के बारे में भी सुनाने को कहें।

अभ्यास

1. अपने बारे में बताइए :

(क) क्या आपको तैरना आता है? अगर हाँ! तो किनसे सीखा और कैसे?

(ख) जामुन के पेड़ पर अगर ढेर सारे जामुन लगे हों, तो आप क्या करेंगे?

(ग) मेले में आपको क्या खाना पसन्द है? अगर वह चीज आपको नहीं मिले तो आपको कैसा लगेगा?

(घ) गाँव में आपके घर के आस-पास कौन-कौन से जानवर रहते हैं और वे किस प्रकार आपकी मदद करते हैं?

(ङ) आपको क्या खाना सबसे ज्यादा अच्छा लगाता है और क्यों?

(च) आपके गांव के आसपास कौन-कौन सी वस्तुएं नजर आती हैं बोलकर बताइए?

2. आपकी समझ से :

(क) गाँव में अगर बहुत सारे पेड़-पौधे नहीं हों, तो क्या होगा?

(ख) अगर नदी में घड़ियाल हो, तो क्या होगा?

(ग) आपके गाँव में अगर बाढ़ आ जाए, तो आप क्या करेंगे?

3. सोचिए, समझिए और बगल के बाक्स में दिये गये बॉक्स से शब्दों को चुनकर लिखिए :

च्चा	कच्चा		
क्क	पक्का		
ल्ल	बल्ला		
ज्ज	सज्जा		
न्न	अन्ना		
त्त	पत्ता		

गन्ना	गत्ता	मुक्का
धक्का	सच्चा	गल्ला
लल्ला	सत्ता	पन्ना
बच्चा	मज्जा	लज्जा

4. 'सही' कथन पर (✓) का चिह्न तथा 'गलत' कथन पर (x) का चिह्न लगाइए :

(क) गाँव तालाब के किनारे बसा है। ( )

(ख) हमें नदी में तैरना बहुत भाता है। ( )

(ग) गाँव के पास हाट लगती है। ( )

(घ) गाँव में पेड़-पौधे नहीं हैं। ( )

(च) मेले में खूब मौज-मस्ती होती है। ( )

(छ) बाढ़ में खेत और घर डूब जाते हैं। ( )

5. पाठ में से वैसे शब्दों को ढूँढ़कर लिखें, जिनके बीच (-) का चिह्न आया हो :

....

....

6. पाठ में कुछ फलों के नाम आये हैं, उन्हें ढूँढ़कर लिखिए :

....

....

7. पाठ से जानिए :

(क) गाँव कहाँ बसा है ?

(ख) नदी में क्या-क्या करते हैं ?

(ग) हम मेले में क्या करते हैं ?

8. अपने गाँव के हाट का चित्र बनाइए :

3. मेहनती किसान

एक किसान था। वह बहुत मेहनती था। एक बार उसके इलाके में सूखा पड़ा। वह बहुत दुखी हुआ। पानी के बिना वह खेती कैसे करे! फिर भी उसने अपना साहस नहीं छोड़ा। वह खेत में काम करता रहा। किसान के काम को देखकर बादल ने उससे पूछा, 'चारों तरफ सूखा पड़ा है। पानी का नामो-निशान नहीं है। फिर भी तुमने अपना काम क्यों नहीं छोड़ा है?' किसान ने जवाब दिया, 'मैं काम इसलिए कर रहा हूँ ताकि अपना काम करना भूल न जाऊँ।' यह सुनकर बादल लजा गया और बरसने लगा। चारों ओर झमाझम बरसात होने लगी। सब लोग खुशी से झूम उठे। आखिरकार बादल को भी अपना काम करना पड़ा।

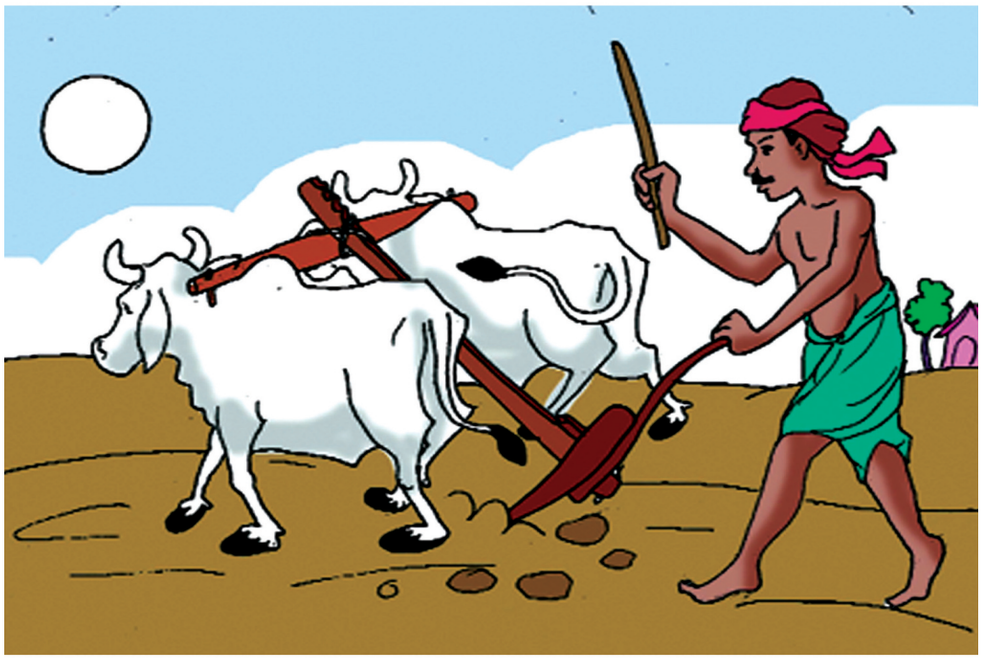

अध्यापन-संकेत बच्चों को सूखा और बाढ़ के विषय में बताने के साथ-साथ इनसे बचने के उपायों की भी चर्चा करें।

अभ्यास

1. समूह में चर्चा कीजिए एवं बोलकर बताइए :

(क) आप किसान की जगह होते, तो क्या करते?

(ख) आप बादल की जगह होते, तो क्या करते?

(ग) यदि किसान खेतों में काम नहीं करते, तो क्या होता?

(घ) अगर बरसात न हो, तो क्या होगा?

(च) बरसात के मौसम में क्या-क्या होता है?

2. देखिए-समझिए और बनाइए :

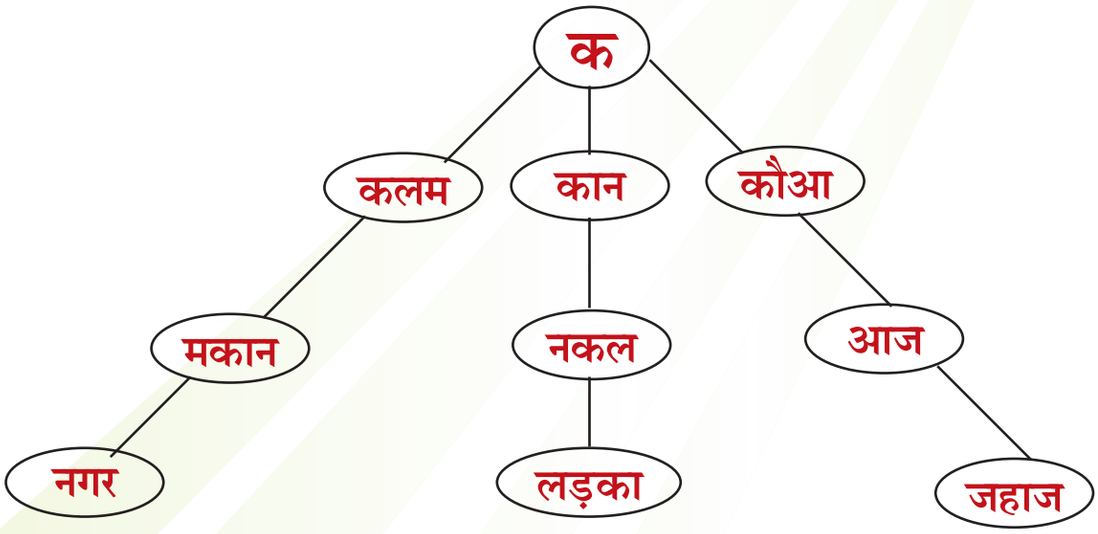

इसी तरह की शब्द-लड़ियाँ 'ह' और 'ल' से आप भी बनाइए।

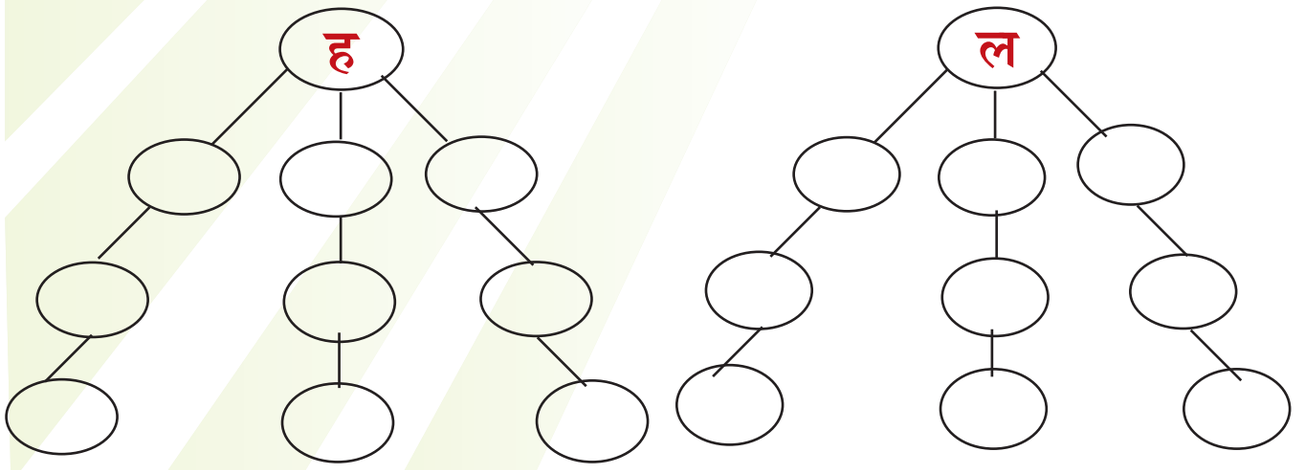

3. 'सही' कथन पर (✓) तथा 'गलत' कथन पर (x) का चिह्न लगाइए :

(क) किसान बहुत आलसी था। ( )

(ख) उसके इलाके में सूखा पड़ा। ( )

(ग) किसान ने अपना काम नहीं छोड़ा। ( )

(घ) बादल को गुस्सा आया। ( )

(च) आखिरकार पानी बरसा। ( )

4. इन्होंने क्या कहा ?

बादल : .....

.....

.....

.....

.....

किसान : .....

.....

.....

.....

.....

5. कहानी से जानिए :

(क) किसान क्यों दुखी हुआ?

(ख) सूखा कब पड़ता है?

(ग) किसान खेत में काम क्यों करता रहा?

(घ) सब लोग खुशी से क्यों झूम उठे?

अध्यापन-संकेत प्रश्न सं.1 के प्रश्नों से संबंधित पाँच समूह बनाकर चर्चा करायें। समूह-चर्चा से उभरे बिन्दुओं को कक्षा में बताने को कहें।

4. पतंग

सर-सर सर-सर उड़ी पतंग,
फर-फर फर-फर उड़ी पतंग।
इसको काटा, उसको काटा,
खूब लगाया सैर-सपाटा।
अब लड़ने में जुटी पतंग,
अरे कट गयी, लुटी पतंग।
सर-सर सर-सर उड़ी पतंग,
फर-फर फर-फर उड़ी पतंग।

-सोहनलाल द्विवेदी

अध्यापन-संकेत पाठ को पढ़ाने के क्रम में बच्चों को पतंग उड़ाने में बरती जानेवाली सावधानियों के बारे में भी अवश्य बताइए।

अभ्यास

1. आपकी जानकारी :

(क) पतंग बनाने में किस-किस सामग्री का उपयोग होता है ?

.....

.....

(ख) पतंग उड़ाने में पतंग के अलावा और किस-किस चीज की जरूरत होती है ?

.....

.....

.....

2. 'सही' कथन पर (✓) तथा 'गलत' कथन पर (X) चिह्न लगाइए :

(क) पतंगें आसमान में सैर करती हैं। ( )

(ख) पतंगें अपने आप उड़ती हैं। ( )

(ग) पतंगें आपस में लड़ती हैं। ( )

(घ) पतंग पानी में तैरती भी है। ( )

(च) पतंग लोहे की बनी होती है। ( )

3. खाली स्थानों को भर कर बताइए कि कविता में पतंग ने क्या-क्या किया है ?

..... पतंग ..... पतंग

..... पतंग ..... पतंग

4. नीचे दिये गये शब्दों को शुद्ध करके लिखिए :

उड़ि ..... ईसको .....

खुब ..... लरने .....

जूटि ..... पतग .....

5. कविता से जानिए :

(क) कविता में 'सर', 'फर' और 'पतंग' शब्द कितनी-कितनी बार आये हैं ?

.....

(ख) पतंग क्या-क्या करती है ?

.....

(ग) अनेक पतंगों के साथ-साथ उड़ने से क्या-क्या होता है ?

.....

.....

(घ) आपको पतंग उड़ाना कैसा लगता है ?

.....

.....

.....

(ङ) आप पतंग को और किन-किन नामों से जानते हैं ?

.....

.....

6. इस कविता की कौन सी पंक्ति आपको सबसे अच्छी लगी ? लिखिए :

.....

.....

.....

7. पतंग का चित्र बनाकर उसमें रंग भरिये :

स्वच्छ पेयजल

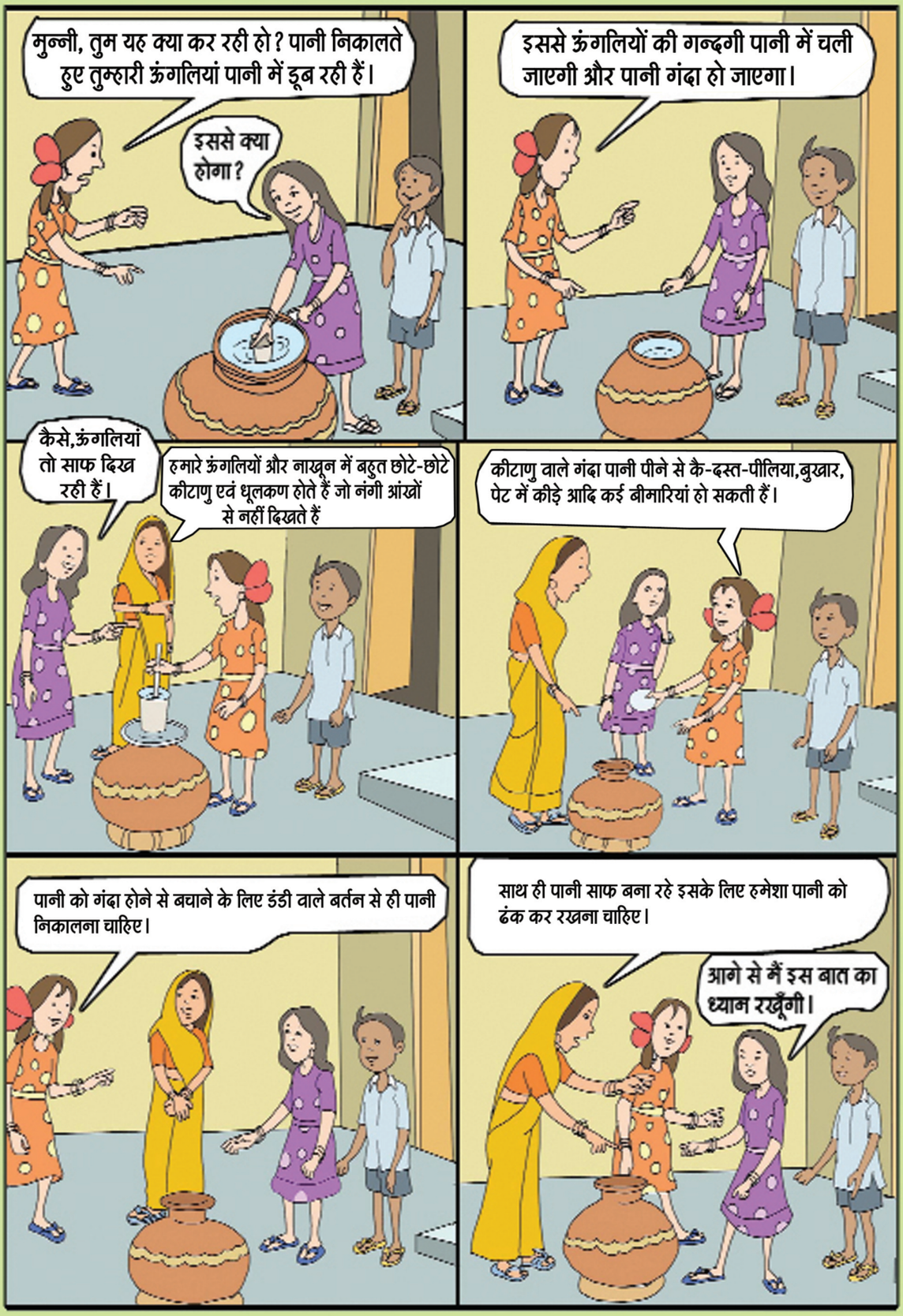
मुन्नी, तुम यह क्या कर रही हो? पानी निकालते हुए तुम्हारी ऊंगलियां पानी में डूब रही हैं।
इससे क्या होगा?
इससे ऊंगलियों की गन्दगी पानी में चली जाएगी और पानी गंदा हो जाएगा।
कैसे,ऊंगलियां तो साफ दिख रही हैं।
हमारे ऊंगलियों और नाखून में बहुत छोटे-छोटे कीटाणु एवं धूलकण होते हैं जो नंगी आंखों से नहीं दिखते हैं
कीटाणु वाले गंदा पानी पीने से कै-दस्त-पीलिया,बुखार, पेट में कीड़े आदि कई बीमारियां हो सकती हैं।
पानी को गंदा होने से बचाने के लिए डंडी वाले बर्तन से ही पानी निकालना चाहिए।
साथ ही पानी साफ बना रहे इसके लिए हमेशा पानी को ढंक कर रखना चाहिए।
आगे से मैं इस बात का ध्यान रखूँगी।

5. दोस्ती

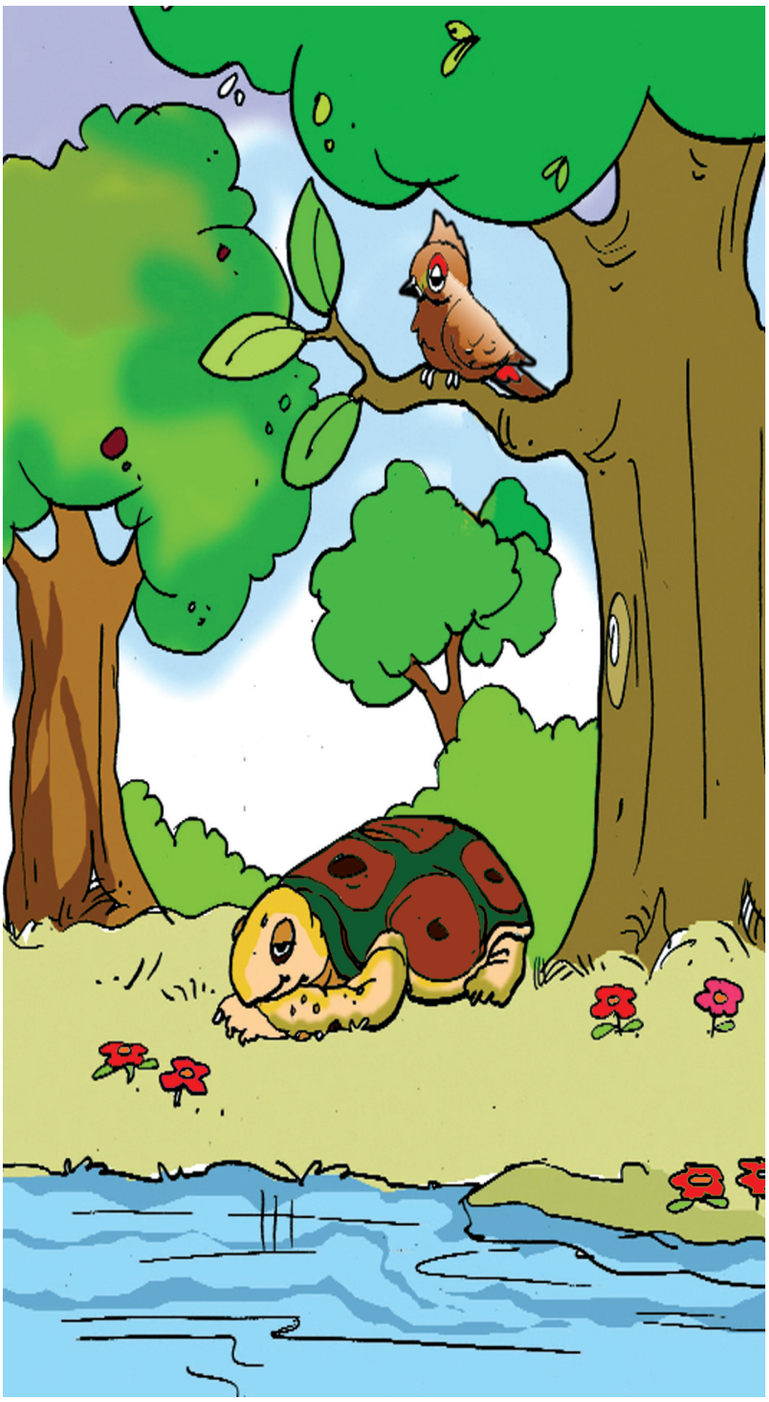

हरे-भरे पेड़ों के बीच एक सुन्दर तालाब था। तालाब का पानी साफ और नीला था। तालाब में बहुत सारी मछलियाँ थीं। उसमें कुछ मेंढक और कछुए भी थे।

एक कछुआ पानी से बाहर निकलकर अपनी देह सुखाने लगा। जाड़े का मौसम था। धूप खिली थी। कछुए को धूप बहुत अच्छी लग रही थी।

एक बुलबुल जामुन की डाल पर बैठी सुस्ता रही थी। उसने कछुए को देखा। उसकी हरे-भूरे रंग की चकत्तेदार पीठ बुलबुल को बहुत भायी। उसने कछुए से कहा, 'काश! मेरी भी ऐसी ही मजबूत और सुन्दर पीठ होती!'

बुलबुल बहुत अच्छा गाती थी। उसने धूप में बदन सुखाते हुए कछुए की तारीफ में गाना शुरू कर दिया। कछुए ने सिर उठाकर बुलबुल को देखा और हँसकर बोला- 'मेरे पास भला ऐसा क्या है! मेरी पीठ पर तो काई जमी हुई है। सुन्दर तो तुम हो, बुलबुल रानी। तुम्हारे कत्थई-लाल, कोमल-नरम पंख, कलगीदार टोपी और ऊपर से इतनी मीठी आवाज। मैं तो तुम्हारे मुकाबले कुछ भी नहीं हूँ।'

अध्यापन-संकेत

बच्चों को यह समझाएँ कि जब दो व्यक्तियों/प्राणियों के विचार समान होते हैं तो उनके बीच दोस्ती होती है। दोस्त सदा एक-दूसरे को प्रसन्न करने का प्रयास करते रहते हैं। दोस्त के पर्यायवाची शब्दों, जैसे- मित्र, यार,साथी आदि से भी परिचय कराइए। वे किसी के अच्छे दोस्त बनें, इसके लिए प्रेरित कीजिए।

बुलबुल थी तो बहुत प्यारी, लेकिन उसकी इतनी तारीफ पहले किसी ने नहीं की थी। कछुए का भोलापन देख उसे बहुत हैरानी हुई। लजाकर बोली, 'तुम्हारा मन तो बहुत सुन्दर और बड़ा है, कछुआ भाई।'

कछुए को एक बात सूझी। उसने कहा- 'क्यों नहीं तुम नीचे उतरकर मेरी पीठ पर सवारी कर लेती। मैं तुम्हें तालाब की सैर करा देता हूँ।' यह सुनकर बुलबुल बहुत खुश हुई और तुरंत नीचे उतर आयी। कछुआ उसे अपनी पीठ पर बैठाकर तालाब की सैर कराने लगा। बुलबुल गा-गा कर उसका मन बहलाने लगी। बुलबुल और कछुए की आपसदारी को देख सब कह उठे, 'वाह, क्या दोस्ती है!'

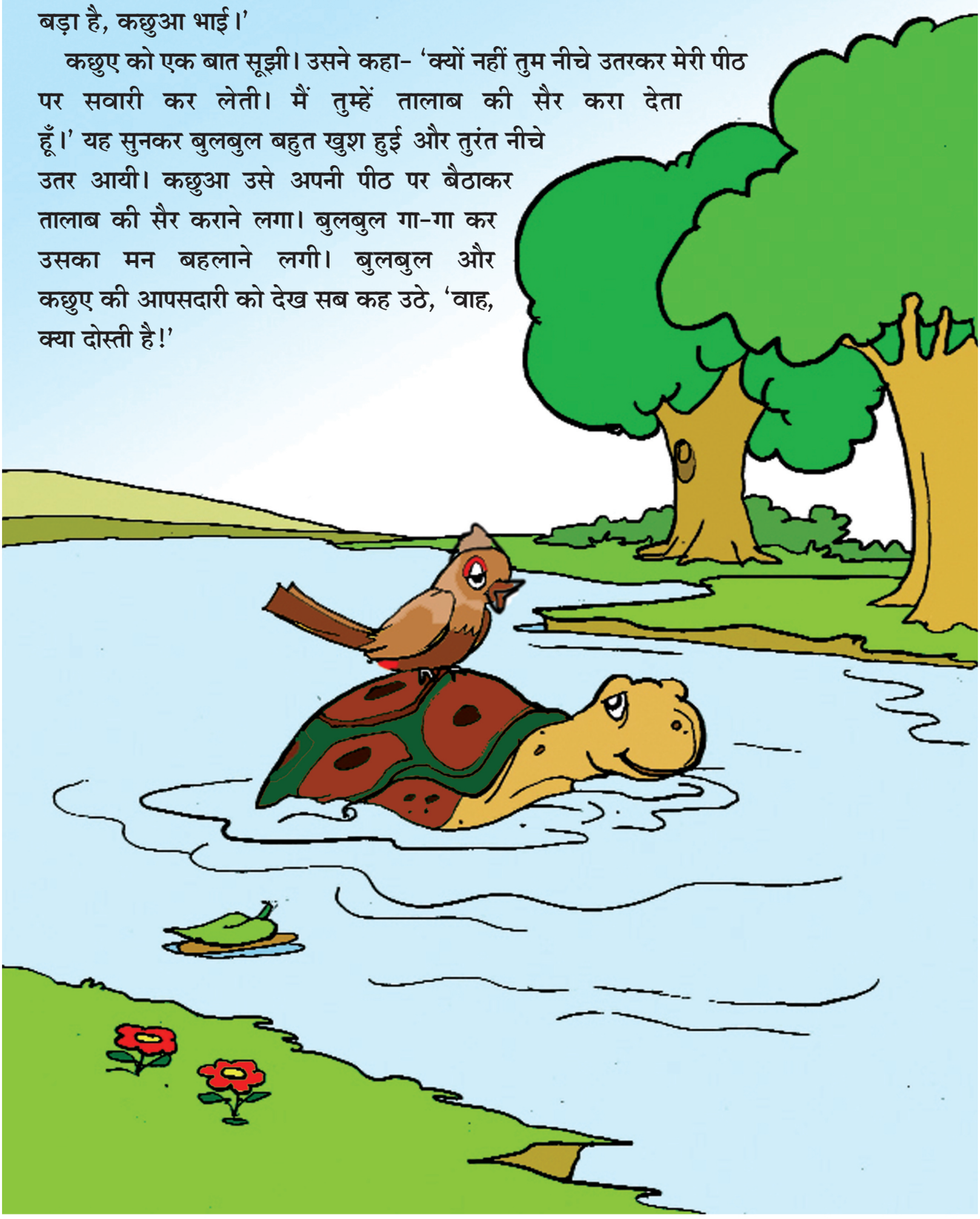

अभ्यास

1. सोचकर बताइये

(क) आपका दोस्त आपको क्यों अच्छा लगता है?
(ख) आप अपने दोस्त को खुश करने के लिए क्या-क्या करेंगे?
(ग) दोस्ती पर आधारित कोई एक कहानी सुनाइये।

2. 'सही' कथन के लिए (✓) तथा 'गलत' कथन के लिए (x) लिखिए :

(क) मैदान के बीच एक तालाब था। ( )
(ख) बुलबुल बहुत अच्छा गाती थी। ( )
(ग) तालाब का पानी गंदा था। ( )
(घ) कछुए को धूप बहुत अच्छी लग रही थी। ( )
(च) कछुए ने बुलबुल को अपनी पीठ से उतार दिया। ( )

3. बताइए :

(क) तालाब का पानी कैसा था?
(ख) कछुआ पानी से निकलकर क्या कर रहा था?
(ग) बुलबुल ने तालाब की सैर कैसे की?
(घ) बुलबुल को कछुए की क्या चीज पसन्द आयी?
(च) किसका मन सुन्दर और बड़ा था- बुलबुल या कछुए का ?

4. शब्दों के अर्थ समझिए:

(क) चकत्ता (चकत्तेदार)	:	चमड़ी पर का धब्बा
(ख) तारीफ	:	बड़ाई, प्रशंसा
(ग) कलगी	:	पक्षियों के सिर पर के बालों का गुच्छा
(घ) फौरन	:	तुरत, जल्दी
(च) सैर करना	:	मन बहलाव हेतु घूमना-फिरना
(छ) हैरानी	:	आश्चर्य
(ज) आपसदारी	:	आपसी समझदारी

5. अपने कुछ दोस्तों के नाम लिखिए :

....

....

6. पानी में कौन-कौन से जीव रहते हैं। उनके नाम लिखिए :

नीचे दिये गये चित्रों को देखिए और ऊपर वाले चित्रों में ढूँढ़िये कि वे कितनी संख्या में हैं। उनकी संख्या दिये गये बॉक्स में लिखिए :

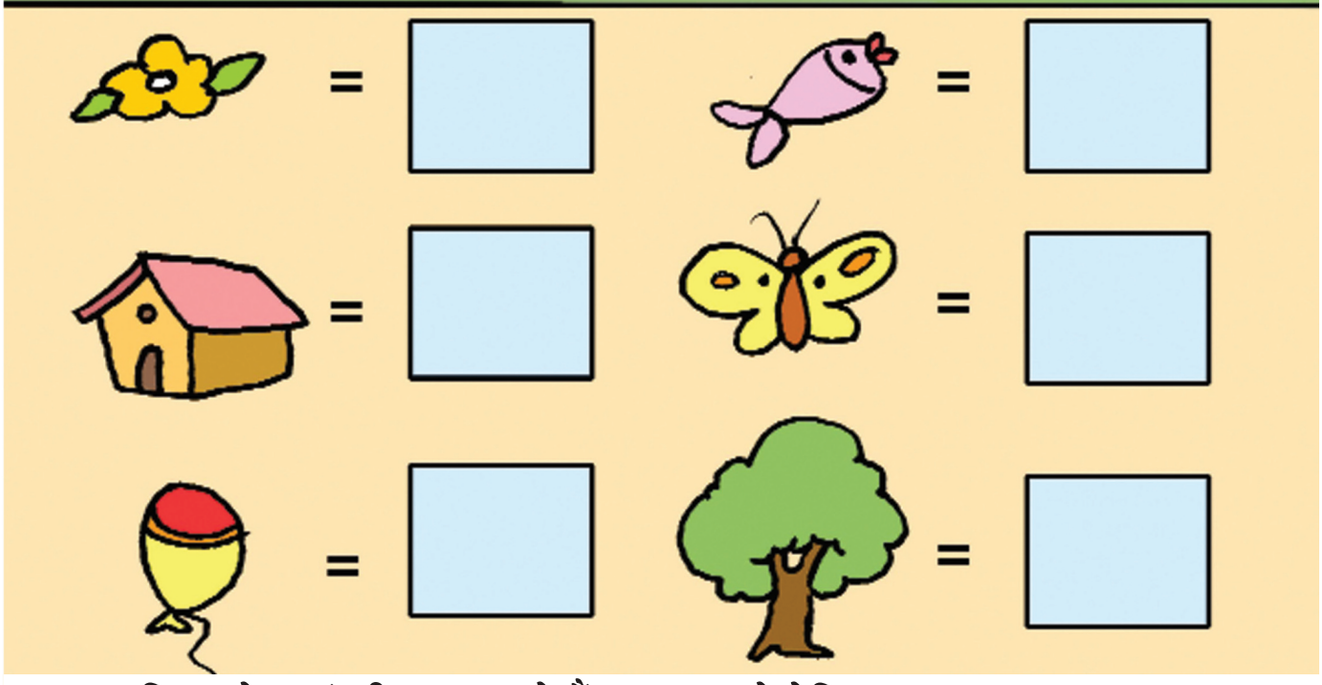

आप इस चित्र को स्वयं भी बना सकते हैं। बनाकर तो देखिए!

6. तितली और कली

हरी डाल पर लगी हुई थी,
नन्हीं सुन्दर एक कली।

तितली उससे आकर बोली,
तुम लगती हो बड़ी भली।

मोह रही हो सबको ऐसे,
जैसे हो मिसरी की डली।

फैले सुन्दर महक तुम्हारी,
महके सारी गली-गली।

तितली की बातों को सुनकर,
रंग-बिरंगी खिली कली।

लगी हवा के साथ झूमने,
छूने तितली जिसे चली।

अध्यापन-संकेत बच्चों को तितली और फूलों के सम्बन्ध में बतायें। उन्हें यह भी बतायें कि हमारे जीवन में इनकी क्या उपयोगिता है?

अभ्यास

1. 'तितली और कली' कविता को आप सभी मिलकर सामूहिक रूप से लयबद्ध गायें। गाने के बाद कविता को लिखें।

2. गिनकर बताइए :

(क) प्रस्तुत पाठ में 'तितली' शब्द कितनी बार आया है?

.....

(ख) प्रस्तुत पाठ में 'कली' शब्द कितनी बार आया है?

.....

(ग) प्रस्तुत पाठ में 'फूल' शब्द कितनी बार आया है?

.....

4. सोचिए, समझिए और लिखिए :

(क) हरी डाल पर क्या लगी हुई थी?

.....

.....

(ख) तितली कली के पास क्यों गयी थी?

.....

.....

(ग) तितली के क्या कहने पर कली खुश हो गयी?

.....

.....

(घ) तितली किसे छूने चली?

.....

.....

सोचिए - बताइए और कीजिए

5. अपने आस-पास के कुछ फूलों को इकट्ठा कर सारणी पूरी कीजिए

फूलों के नाम	रंग	विशेषताएँ

6. अपनी पसंद के कुछ फूलों के चित्र बनाइए।

7. तितली से संबंधित कोई कविता सुनाइए।

8. यदि आप तितली होते, तो...

7. अधिक बलवान कौन ?

एक बार हवा और सूरज में बहस छिड़ गयी। हवा ने सूरज से कहा- 'मैं तुमसे अधिक बलवान हूँ।' सूरज ने हवा से कहा, 'मुझमें तुमसे ज्यादा ताकत है।' इतने में हवा की नजर एक आदमी पर पड़ी।

हवा ने कहा, 'इस तरह बहस करने से कोई फायदा नहीं है, जो इस आदमी का कोट उतरवा दे, वही ज्यादा बलवान है।'

सूरज हवा की बात मान गया। उसने कहा, 'ठीक है! दिखाओ अपनी ताकत।'

हवा ने अपनी ताकत दिखानी शुरू की। आदमी की टोपी उड़ गयी, पर कोट उसने अपने दोनों हाथों से शरीर से लपेटे रखा और जल्दी-जल्दी कोट के बटन बंद कर लिये।

हवा और जोर से चलने लगी। अंत में आदमी नीचे ही गिर पड़ा, पर कोट उसके शरीर पर ही रहा। अब हवा थक गयी थी।

सूरज ने कहा, 'हवा! अब तुम मेरी ताकत देखो।'

सूरज तपने लगा। आदमी ने कोट के बटन खोल दिये। सूरज की गर्मी और बढ़ी। आदमी ने कोट उतार दिया और उसे हाथ में ले कर चलने लगा।

सूरज ने कहा, 'देखी मेरी ताकत! उतरवा दिया न कोट!'

हवा ने सूरज को नमस्कार किया और कहा, 'मान गयी तुम्हारी ताकत।'

-योगेश जोशी

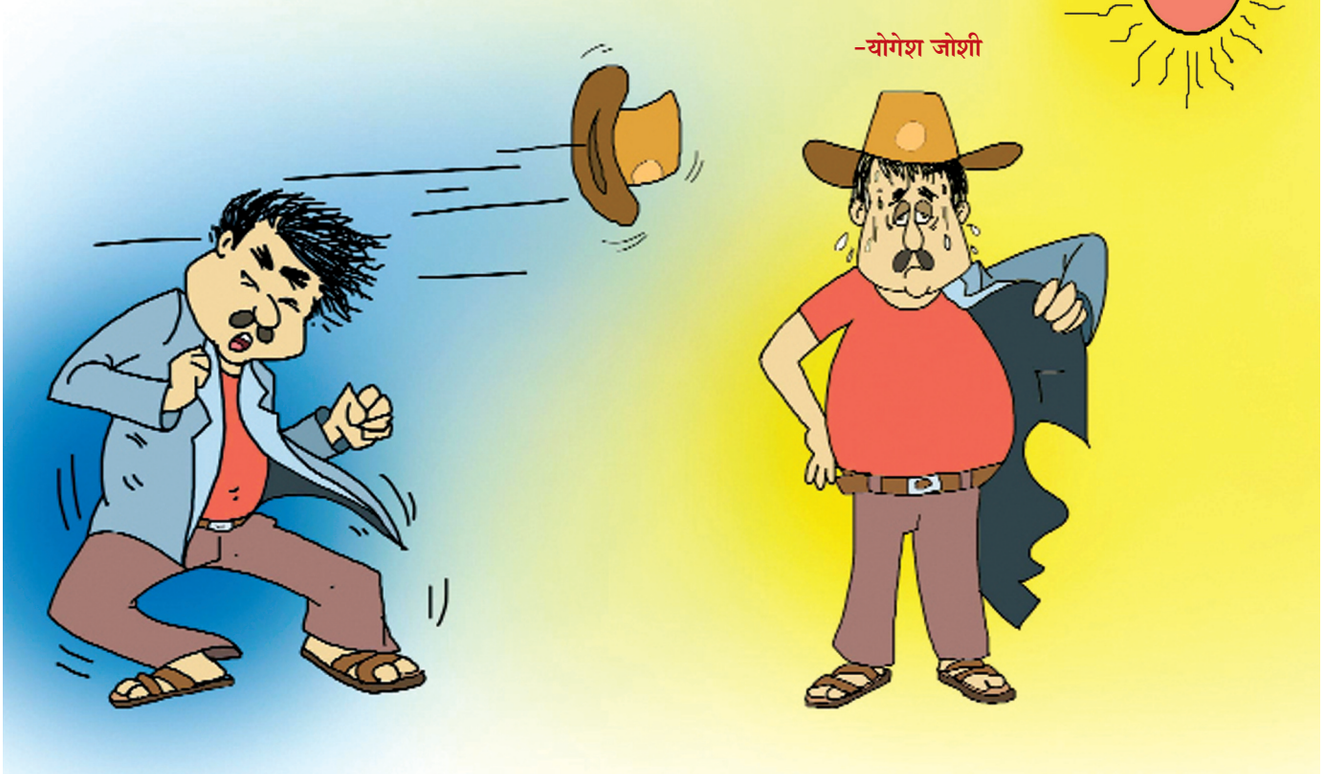

अध्यापन-संकेत चुनौती का सामना विवेक से करना चाहिये- यह बच्चों को सिखाएँ।

अभ्यास

1. इन कथनों में जो 'सही' हों उनमें (✓) तथा जो 'गलत' हों उनमें (x) का चिह्न लगाइए :

(क) आदमी जमीन पर गिर पड़ा। ( )

(ख) गिरने से आदमी की नाक टूट गयी। ( )

(ग) आदमी की टोपी उड़ गयी। ( )

(घ) आदमी रोने लगा। ( )

2. रिक्त स्थानों को भरिए :

(क) हवा ने सूरज को ..... किया। (तिलस्कार, नमस्कार)

(ख) सूरज हवा की बात ..... गया। (जान, मान)

(ग) हवा और ..... में बहस छिड़ गयी। (चंदा, सूरज)

(ग) आदमी ने ..... के बटन बंद कर लिये। (शर्ट, कोर्ट)

3. शब्दार्थ लिखिए :

फायदा .....

ताकत .....

ज्यादा .....

तपना .....

4. समझिए और लिखिए :

अपना	अपने
तुम्हारा	.....
उसका	.....
देखा	.....
फायदा	.....

5. नीचे लिखे शब्दों के अक्षर उलट-पलट दिये गये हैं, उन्हें सही क्रम में सजाकर लिखिए :

र ज सू .....

त क ता .....

न वा ल ब .....

र ता उ .....

द मी आ .....

6. दिए गये शब्दों को और क्या-क्या कहते हैं ? लिखिए :

हवा ....

सूर्य ....

आदमी ....

ताकत ....

7. दिए गये शब्दों से वाक्य बनाइए :

(क) सूरज .....

(ख) हवा .....

(ग) आदमी .....

(घ) टोपी .....

(च) बलवान .....

(छ) ताकत .....

8. सोचिए और लिखिए :

(क) सूरज और हवा अधिक बलवान कौन? कहानी में जीत किसकी हुई?

.....

.....

(ख) आदमी का कोट उतरवाने में सफलता कैसे मिली?

.....

.....

(ग) हवा ने सूरज से क्या कहा?

.....

.....

(घ) इस कहानी का शीर्षक क्या है?

.....

.....

(च) अगर आप हवा के स्थान पर होते, तो क्या करते?

.....

.....

9. इस कहानी के आधार पर एक नाटक तैयार कीजिए और उसे सहपाठियों के बीच खेलिए।

माथापच्ची

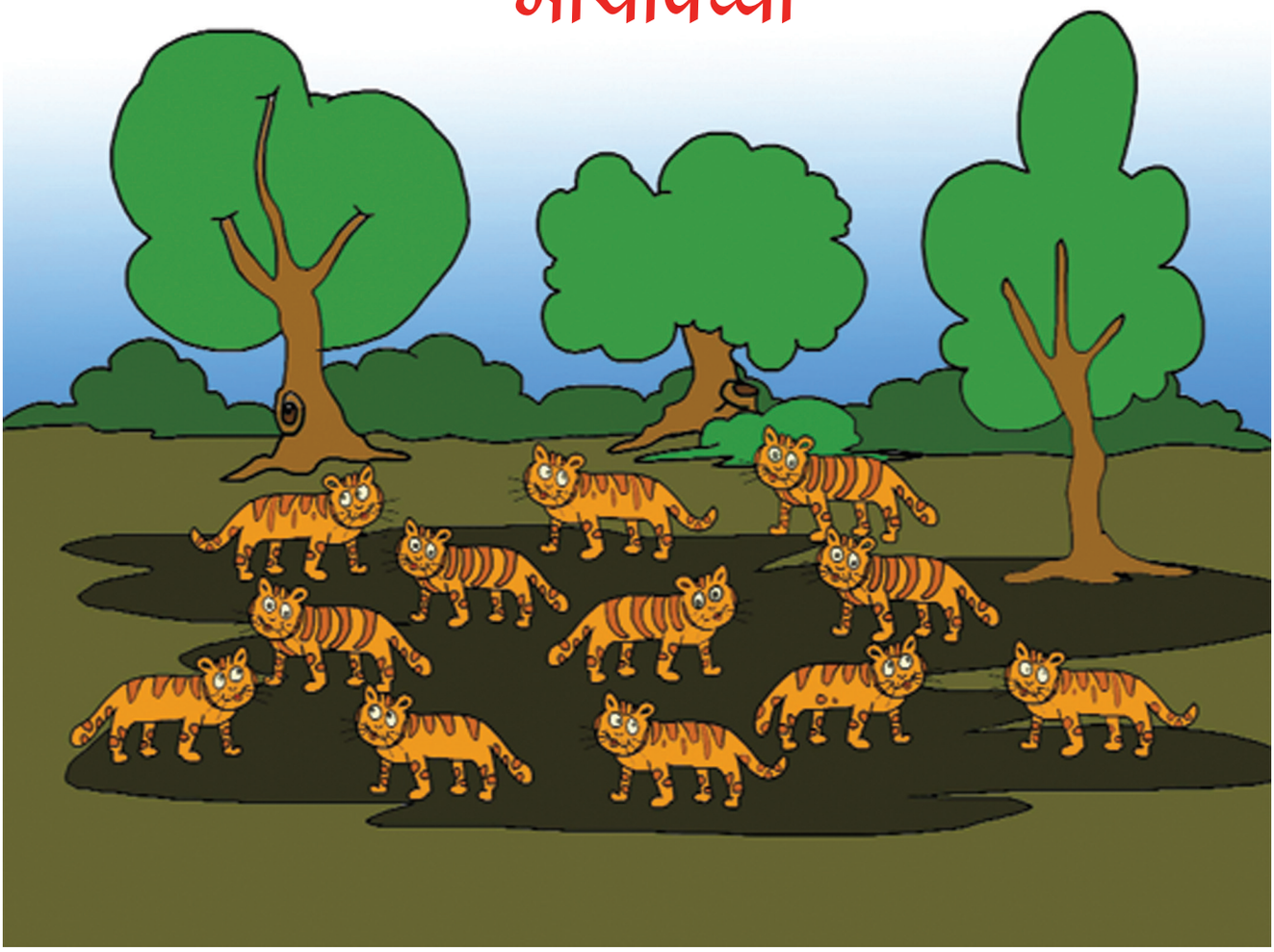

पूसी बिल्ली बगीचे में अपने भाई-बहनों के साथ खेल रही थी। इतने में बंदर ने उसकी तस्वीर खींच ली। तस्वीर देखकर बताइए इनमें से पूसी बिल्ली कौन-सी है? क्या आप पूसी बिल्ली पर कहानी लिख सकते हैं? लिखकर अपने दोस्तों को सुनाइए।

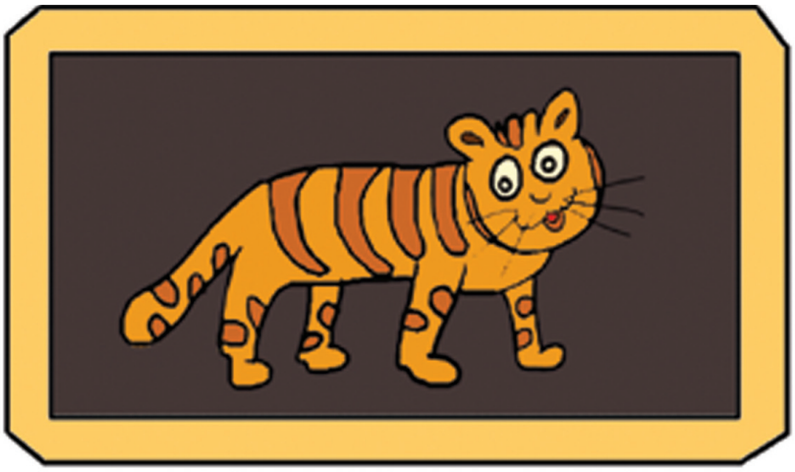

पूसी बिल्ली की तस्वीर

४. गाजर

कहने को तरकारी गाजर,
लेकिन फल से प्यारी गाजर।
घर के बूढ़े और बच्चों को,
सचमुच लगती प्यारी गाजर।
खाकर इसको ठीक रहें हम,
रखे दूर बीमारी गाजर।
देख सलोनी लाल करे मन,
खा जाऊँ मैं सारी गाजर।
ठीक कहा अबके माली ने,
बोऊँ क्यारी-क्यारी गाजर।

-डॉ. अजय जन्मेजय

अध्यापन-संकेत बच्चों को गाजर के गुणों के बारे में बताइए तथा इस ऋतु में उपलब्ध अन्य सुलभ सब्जियों के विषय में भी चर्चा अवश्य कीजिए ।

अभ्यास

1. पढ़िए और लिखिए :

तरकारी	गाजर	सचमुच	सलोनी	क्यारी
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

2. कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए :

(क) घर के बूढ़े और ..... को,
..... लगती ..... गाजर।

(ख) देख ..... लाल करे मन,
..... जाऊँ मैं सारी .....।

(ग) ठीक कहा अबके ..... ने,
बोऊँ ..... गाजर।

3. समझिए और लिखिए :

प्यारा	प्यारी
सारा	.....
बच्चा	.....
लगता	.....
सलोना	.....
बूढ़ा	.....

4. सही-सही मिलाइए :

कहने को	बीमारी गाजर
लेकिन फल से	अबके माली ने
खाकर इसको	लाल करे मन
देख सलोनी	ठीक रहें हम
ठीक कहा	प्यारी गाजर
रखे दूर	तरकारी गाजर

5. गाजर जैसी तीन अन्य सब्जियों के नाम लिखिए :

....

6. सोचिए और बताइए :

(क) गाजर किसको प्यारी लगती है ?
(ख) गाजर खाने से क्या-क्या लाभ हैं ?
(ग) गाजर को देख मन में क्या विचार आता है ?
(घ) माली ने क्या कहा?

7. गाजर किस-किस रंग की होती है ?

.....

8. गाजर किस ऋतु में मिलती है ? इस ऋतु में मिलने वाली अन्य सब्जियों के नाम लिखिए।

.....

.....

9. गाजर से क्या-क्या बनता है ?

.....

.....

.....

10. सब्जियों के नाम दिये गये खानों में लिखिए :

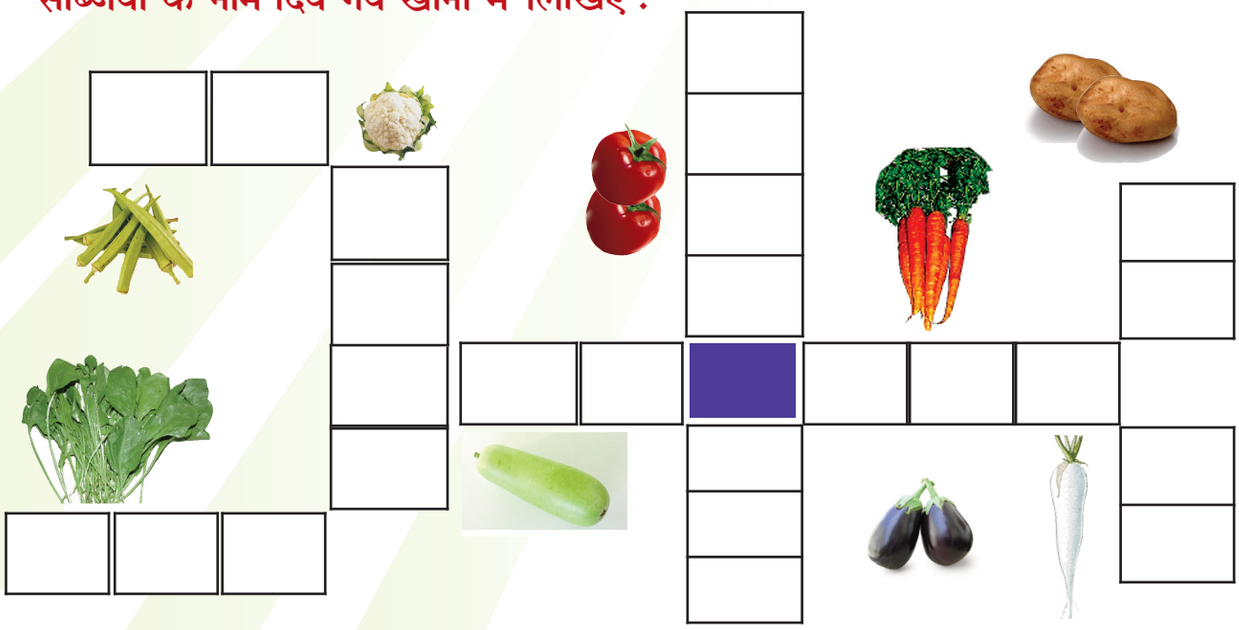

11. विभिन्न प्रकार की सब्जियाँ उगाने के लिए क्या-क्या करते हैं ? बोलकर सुनाइए :

9. अक्ल बड़ी या भैंस?

आफंती के शहर में एक पहलवान रहता था। एक दिन वह आफंती से बोला,
तुम भले ही अक्ल में बड़े हो, लेकिन ताकत तो मुझमें ही अधिक है।

अच्छा! लेकिन यह तो बताओ, तुम्हारे अंदर कितनी ताकत है?
मैं पाँच क्विंटल की चट्टान को सिर्फ एक हाथ से उठाकर आसमान में उछाल सकता हूँ।

अच्छा! आओ मेरे साथ, देखते हैं। कौन अधिक ताकतवर है?
ठीक है!

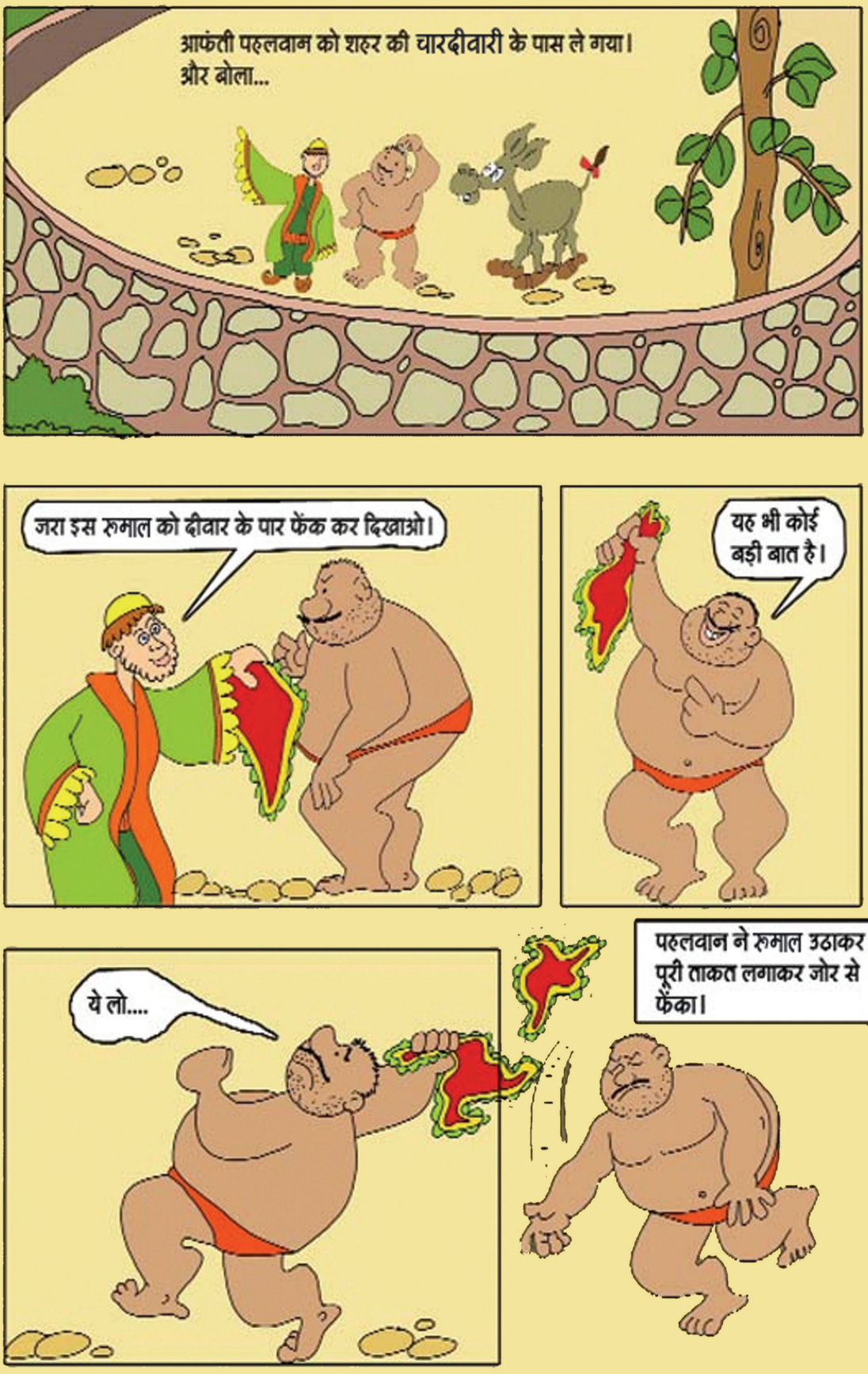
आफंती पहलवान को शहर की चारदीवारी के पास ले गया। और बोला...
जरा इस रुमाल को दीवार के पार फेंक कर दिखाओ।
यह भी कोई बड़ी बात है।
ये लो....
पहलवान ने रुमाल उठाकर पूरी ताकत लगाकर जोर से फेंका।

(रिमझिम-3 से साभार)

-शिवेंद्र पांडिया

अभ्यास

1. 'सही' कथन पर (✓) का चिह्न तथा 'गलत' कथन पर (X) का चिह्न लगाइए :

(क) पहलवान पाँच क्विंटल की चट्टान आसानी से उछाल सकता था। ( )

(ख) आफंती ने पहलवान को फेंकने के लिए टोकरी दी। ( )

(ग) पहलवान आफंती के साथ चारदीवारी के उस पार गया। ( )

(घ) पहलवान रूमाल को चाहरदीवारी के पार नहीं फेंक सका। ( )

(ड़) ताकत अक्ल से बड़ी होती है। ( )

2. नीचे दिये गये समान अर्थ वाले शब्दों को मिलाइए :

अक्ल	अधिक
ताकत	माँ
ज्यादा	सुन्दर
खूबसूरत	बल
अम्मा	बुद्धि

3. नीचे दिये गये चित्रों को देखिए, समझिए और अपनी समझ से चित्रों के बारे में कुछ लिखिए :

लिखिए :

.....

.....

.....

लिखिए :

.....

.....

.....

लिखिए :

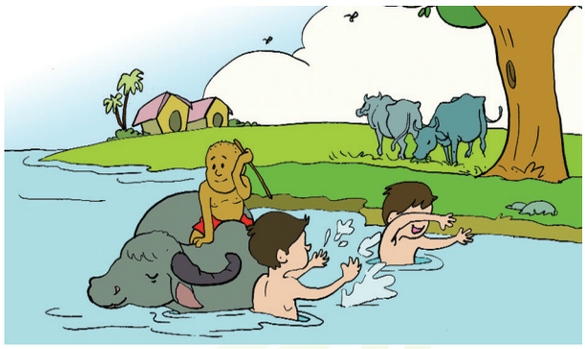

लिखिए :

4. सोचिए और लिखिए :

(क) आफंती के शहर में कौन रहता था ?

(ख) आफंती पहलवान को लेकर कहाँ गया ?

(ग) आफंती ने पहलवान को फेंकने के लिए क्या दिया ?

(घ) पहलवान क्यों हार गया ?

(च) अक्ल बड़ी होती है या ताकत ?

10. दिशाएँ

(भोर होने पर भैया अपने छोटे भाई रामू को जगाते हुए!)

भैया- रामू! उठो-उठो, भोर हो गया।

(अनमने ढंग से उठते हुए रामू अपने भैया से ...)

रामू- रोज-रोज इसी समय भोर क्यों होता है भैया ?

भैया- सूरज निकलने से भोर होता है। जब सूरज डूब जाता है तो शाम, और फिर रात हो जाती है।

रामू- सूरज कहाँ से निकलता है और शाम को फिर कहाँ चला जाता है?

भैया- सूरज पूरब दिशा से निकलता है और पश्चिम दिशा में डूब जाता है।

रामू- भैया दिशाएँ चार होती हैं! ...

भैया- दिशाएँ चार ही होती हैं।

रामू- कौन-कौन सी?

भैया- सुबह में सूरज जिस दिशा से निकलता नजर आता है वह दिशा पूरब है। शाम में जिस दिशा में डूबता नजर आता है वह पश्चिम दिशा है। इनके अलावा उत्तर और दक्षिण दिशाएँ भी होती हैं। क्यों अब हो गयी न पूरी चार?

रामू- भैया चार दिशाएँ तो मैं जान गया। हम कैसे पहचानेंगे कि कौन-सी दिशा किस ओर है?

अध्यापन -संकेत किसी बच्चे को बुलाकर रामू के समान उससे दिशाओं का पता करवाइए तथा दिन-महीनों के नाम भी बताइए ।

भैया- तुमने ठीक पूछा। तुम इधर आओ, सूरज की ओर मुँह करके खड़े हो जाओ और अपनी दोनों बाँहों को फैला दो। रामू ने वैसा ही किया। अब ध्यान से सुनो! जिस ओर तुम्हारा मुँह है उस ओर पूरब दिशा है।

रामू- तो पीठ की ओर वाली दिशा पश्चिम होगी न भैया?

भैया- ठीक है। जिधर तुम्हारा बायाँ हाथ है... वह दिशा उत्तर है।

रामू एकाएक बोल पड़ा ।

रामू- तो दायें हाथ वाली दक्षिण दिशा हुई न?

भैया- बिल्कुल ठीक। मैं दिशा के बारे में समझ गया।

अभ्यास

1. आपकी समझ से :

(क) दिशाओं की पहचान के लिए आप कोई दूसरा तरीका सोचकर बताइए।

(ख) भोर होने पर कौन-कौन लोग क्या-क्या करते हैं ?

(ग) भोर होने पर आप अपने पशुओं के साथ क्या करते हैं ?

2. आपके बारे में :

(क) आप सोकर कब उठते हैं ?

.....

(ख) आपको भोर में अगर कोई उठाता है तो कैसा लगता है ?

.....

(ग) भोर होने पर आप उठकर क्या-क्या करते हैं ?

.....

(घ) जब आप चलती हुई रेलगाड़ी में बैठे होते हैं, तब रेलगाड़ी में बैठे लोग आपको कैसे लगते हैं ? चलते हुए या स्थिर ?

.....

.....

3. समझिए और बोलकर बताइए :

(क) भोर होने पर क्या-क्या दिखाई देता है ?

.....

(ख) शाम में सूर्य किस दिशा में दिखाई देता है ?

.....

(ग) कितनी दिशाएँ होती हैं ? उनके नाम बताइए।

.....

(घ) भोर से शाम तक के बीच सूरज किन-किन रंगों में दिखता है ?

.....

4. 'सही' कथन पर (✓) चिह्न तथा 'गलत' कथन पर (x) चिह्न लगाइए :

(क) जिस समय सूरज निकलता नजर आता है शाम होती है। ( )

(ख) सूरज पूरब दिशा में निकलता नजर आता है। ( )

(ग) मुँह पूरब दिशा में होने पर दायाँ हाथ उत्तर दिशा बतलाता है। ( )

(घ) सूरज भोर में लाल दिखता है। ( )

5. समझिए और लिखिए :

निकलना	निकलता
डूबना	.....
उगना	.....
होना	.....
जाना	.....
चहचहाना	.....
उठना	.....

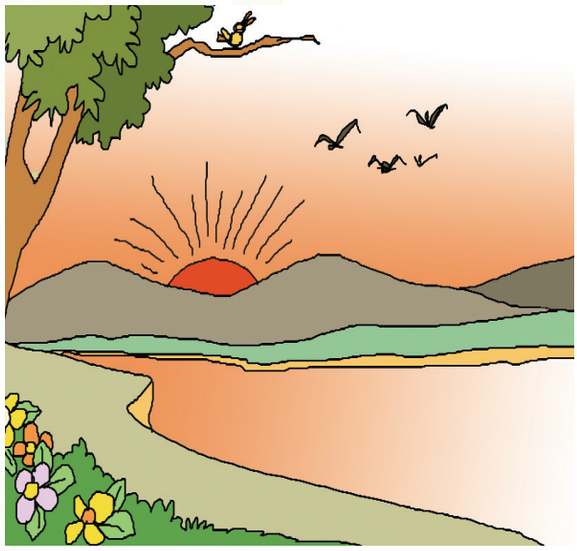

भोर

6. दिये गये शब्दों को शुद्ध करके लिखिए :

सुरज .....

पछिम .....

पुरब .....

दखिन .....

माट साब .....

शाम

11. एक किरण

रेशम जैसी हँसती-खिलती,
नभ से आयी एक किरण।
फूल-फूल में मीठी-मीठी,
खुशियाँ लायी एक किरण।

पड़ी ओस की थीं कुछ बूँदें,
झिलमिल-झिलमिल पत्तों पर।
उनमें जाकर, दीया जलाकर,
ज्यों मुसकाई एक किरण।

लाल-लाल थाली-सा सूरज,
उठकर आया पूरब में।
फिर सोने के तारों जैसी,
नभ में छायी एक किरण।

एक किरण से बदल गया जग,
चिड़ियाँ गाती गीत चलीं।
हवा चली, हिल उठे पेड़ सब,
सबको भायी एक किरण।

सूरज आया, दिन मुसकाया,
जागी दुनिया, भोर हुआ।
नया-नया मन, ताजा जीवन,
सबको लायी एक किरण।

-श्री प्रसाद

अध्यापन-संकेत बच्चों को कविता गाकर सुनायें। साथ ही प्रत्येक नयी सुबह में नयी ताजगी के साथ अपने काम में लगने की प्रेरणा दें।

अभ्यास

1. खाली जगहों को भरिए :

(क) एक किरण ..... गया जग,
चिड़ियाँ ..... चलीं।
..... हिल उठे पेड़ सब,
सबको भायी ..... ।

(ख) रेशम जैसी ..... ,
..... एक किरण।
फूल-फूल .....
..... लायी ..... ।

2. समझिए और लिखिए :

(क) उठ — उठकर
(ख) जा — .....
(ग) पढ़ — .....
(घ) पी — .....
(च) ला — .....

3. समझिए और लिखिए :

(क) ला — लायी
(ख) आ — .....
(ग) भा — .....
(घ) गा — .....

4. कविता से एक साथ आनेवाले शब्दों को खोजकर लिखिए। जैसे; लाल-लाल :

(क) .....
(ख) .....
(ग) .....

(घ) .....

(च) .....

5. दिये गये शब्दों के समान अर्थ वाले शब्द लिखिए :

(क) दुनिया — संसार

(ख) फूल .....

(ग) नभ .....

(घ) सूरज .....

(च) पेड़ .....

6. दिये गये शब्दों के अक्षर उलट-पलट गये हैं। उन्हें सजाकर लिखिए :

ण र कि — किरण

र सू ज .....

नि या दु .....

याँ ड़ि चि .....

क ज र ला .....

को ब स .....

क ठ र उ .....

7. दिये गये प्रश्नों पर दोस्तों के बीच चर्चा कीजिए और उत्तर लिखिए :

(क) खुशियाँ कौन लायी थी?

.....

(ख) ओस की बूँदें कहाँ पड़ीं थीं?

.....

(ग) चिड़ियाँ क्या कर रही थीं?

.....

(घ) सूरज आकर क्या करता है?

.....

एक साथ तीन सुख
तीन यात्री किसी शहर में से जा रहे थे। तभी एक सिक्का दिखायी दिया।
अरा, सिक्का!
हम सबने इसे एक साथ देखा इसलिए यह हम सबका है।
हाँ,हाँ! क्यों न हम कुछ खरीदकर आपस में बाँट लें।
ठीक है! पर क्या खरीदें?
मेरा तो मन मीठी चीज खाने का कर रहा है।
ठीक है! पर कई मीठी चीजें खरीदेंगे।
पर मुझे तो प्यास बुझाने के लिए कुछ चाहिए।

एक मिठाई ही बहुत है।
मुझे तो कई चाहिए।
मुझे प्यास लगी है।
क्या बात है? आपलोग झगड़ क्यों रहे हैं?
तीनों ने अपनी समस्या बतायी।
अरे, बस इतनी-सी बात! बड़ा आसान-सा उपाय है!
कुछ अंगूर खरीद लीजिए।
ये मीठे हैं!
ये तो बहुत सारे हैं।
ये मेरी प्यास बुझाएँगे।
उस बुजुर्ग ने हमारी समस्या बड़ी आसानी से हल कर दी।

-लुइस फर्नांडिस

12. सौदागर और गधा

एक आदमी के पास एक गधा था। वह रोज सुबह अपने गधे पर नमक के बोरे लादता। फिर आसपास के गाँवों में वह नमक बेचने जाता था। रास्ते में नदी-नाले पार करने पड़ते थे।

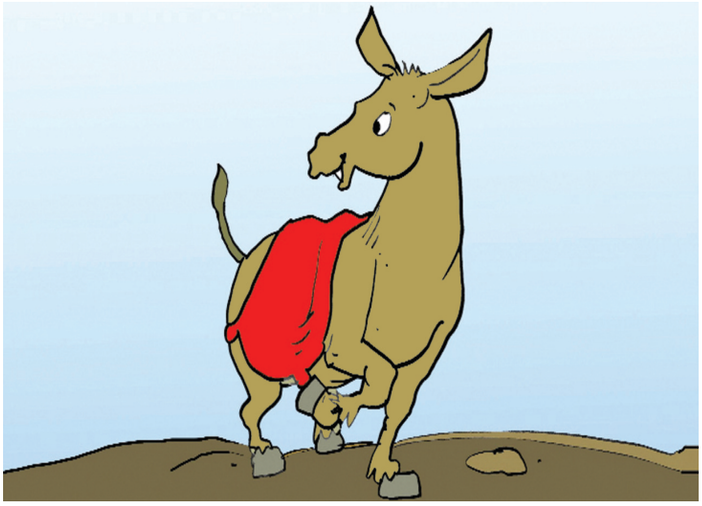

एक दिन जब गधा नदी पार कर रहा था तो वह अचानक पानी में गिर गया। पानी में गिरने से बोरे का नमक घुलकर बह गया। और इस तरह गधे की पीठ का बोझ बहुत हल्का हो गया। सौदागर उस दिन वापस घर लौट आया। गधे की उस दिन छुट्टी हो गयी।

दूसरे दिन सुबह वे दोनों फिर घर से चले। रास्ते में जब नदी पड़ी तो गधे ने नदी में डुबकी लगा दी। इस तरह गधे का बोझ फिर हल्का हो गया। सौदागर उस दिन भी घर लौट आया। और गधे की छुट्टी हो गयी।

सौदागर को गधे पर बहुत गुस्सा आया। वह समझ रहा था कि गधा जान-बूझकर नदी में गिर रहा है। अगले दिन सौदागर ने गधे को मजा चखाने की सोची। उसने गधे की पीठ पर रूई की गाँठें लादीं और घर से चल पड़ा। जब रास्ते में गधे ने नदी में डुबकी लगाई तो रूई ने पानी सोख लिया। गधे की पीठ का बोझ इतना भारी हो गया कि रास्ता चलने में उसकी हालत खराब हो गयी। उस दिन के बाद गधे ने फिर कभी पानी में डुबकी लगाने की गलती नहीं की।

अध्यापन-संकेत बच्चों को नमक और रुई के गुणों को बतायें। साथ ही उन्हें अपने कर्त्तव्य पर डटे रहने की प्रेरणा दें।

अभ्यास

1. बोलकर बताइए – कौन-कौन से जानवर बोझ ढोते हैं ?

2. 'सही' उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए :

(क) सौदागर अपने गधे पर नमक के बोरे को प्रतिदिन कब लादा करता था?

(1) रात में ☐ (2) सुबह में ☐ (3) दोपहर में ☐

(ख) सौदागर अपना सामान बेचने कहाँ जाता था?

(1) शहर में ☐ (2) कबीला में ☐ (3) गाँवों में ☐

(ग) सौदागर ने गधे की पीठ पर नमक के अलावा अन्य किस सामान का बोझ लादा?

(1) कटहल ☐ (2) लकड़ी ☐ (3) रूई ☐

3. पढ़िए, सोचिए और बताइए :

(क) सौदागर प्रतिदिन क्या बेचने गाँवों में जाता था?

(ख) सौदागर नमक के बोरे कैसे ले जाता था?

(ग) गधा नमक के बोझ को लेकर नदी में डुबकी क्यों लगाता था?

(घ) सौदागर को गधे पर गुस्सा क्यों आया?

(च) रूई की गाँठों से लदे बोझ को लेकर जब गधे ने डुबकी लगायी तो क्या हुआ?

(छ) किस घटना के बाद गधे ने पानी में जान-बूझकर डुबकी लगाना बंद कर दिया?

4. दिये गये वर्ग से जानवरों के नाम ढूँढ़ कर दी गयी सारणी में लिखिए :

ग	शे	र	सू	बा	घ	भैं	स
धा	बि	बं	अ	बै	ड़ि	लो	हि
गा	ल्ली	द	र	ल	या	म	र
य	गि	र	र	हा	ल	ड़ी	ण
गें	द्ध	श	गी	थी	कु	त्ता	म
डा	मा	का	द	ह	ब	क	री
जि	रा	फ	ड़	चू	हा	घो	ड़ा

पालतू जानवर	जंगली जानवर

13. जुगनू

टिम-टिम करता आया जुगनू,
हम बच्चों को भाया जुगनू।

अंधकार को दूर भगाता,
जगमग उजियारा फैलाता।
संकेतों से हमें बुलाता,
काली रातों में मुस्काता।

आसमान के तारों जैसा,
धरती पर उग आया जुगनू।
टिम-टिम करता आया जुगनू।

घने अंधेरे से है लड़ता,
निडर बनें यह हमें सिखाता।
झोपड़ियों में दीप जलाता,
परोपकार का पाठ पढ़ाता।

अपने तन में ज्योति जलाकर,
सबका मन हर्षाया जुगनू।
टिम-टिम करता आया जुगनू।

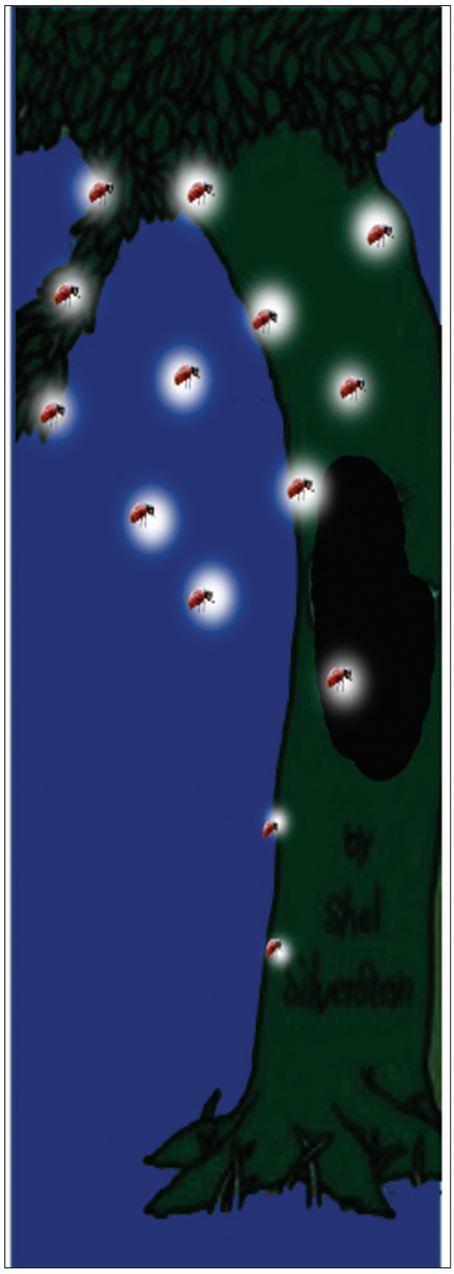

-सुखदेव प्रसाद

अध्यापन -संकेत इस कविता को हावभाव के साथ प्रस्तुत कीजिए ताकि बच्चों को जुगनू की गतिविधियाँ समझ में आ जाएँ ।

अभ्यास

1. सही-सही मिलाइए :

(क) घने अँधेरे से	पाठ पढ़ाता
(ख) निडर बनें	जलाता
(ग) झोपड़ियों में दीप	यह हमें सिखाता
(घ) परोपकार का	है लड़ता

2. सोचिए-लिखिए :

(क) जुगनू कैसे आता है?

.....

.....

(ख) अँधकार को कौन भगाता है?

.....

.....

(ग) यदि आप जुगनू बन जाएँ तो क्या करेंगे?

.....

.....

(घ) जुगनू कब दिखायी देता है?

.....

.....

3. इन पंक्तियों को देखकर लिखिए :

अपने तन में ज्योति जलाकर,
सबका मन हर्षाया जुगनू।
टिम-टिम करता आया जुगनू।

14. गौरैया

वह कौन-सी चिड़िया है, जो आपके आसपास ही होती है? आप जिसे कभी पिंजरे में बंद नहीं करते, कभी उसे मारते और तंग भी नहीं करते। जिसकी चहचहाहट से गाँव-घर गुलजार रहता है। जो निडर होती है। जो आपके सामने दाना चुग ले जाती है और फुर्र-से उड़ जाती है। जिसके सामने लोग खुद ही दाना फेंक देते हैं। जिसका घर में होना शुभ माना जाता है। और हाँ ! जो रहती है आपके ही घर में।

धत् तेरी की ! वह तो नन्हीं, प्यारी-प्यारी अपनी गौरैया ही तो है! अब कोई कहे कि उसने गौरैया नहीं देखी है, तो यह अजीब बात है। वह तो रहती है हमारे ही साथ, जैसे कि परिवार के अन्य लोग। उसे रहने के

अध्यापन -संकेत बच्चों को गौरैया के अलावा आस-पास पाये जाने वाले पक्षियों के बारे में भी विस्तार से बतायें।

लिए पक्के घर के किसी कमरे का रोशनदान या दीवार में कोई छेद खूब भाता है।

जो जगह उसे भा जाती है, बस उसी जगह वह तिनके बटोरना शुरू कर देती है और एक आरामदेह घोंसला बना लेती है। घोंसला बनाना और उसकी देखभाल करना—यह काम नर-मादा गौरैया दोनों मिलकर करते हैं। जब घोंसले में अंडे हों और मादा कहीं बाहर दाना चुगने निकलती है तो नर अंडों की रखवाली करता है। एक बार जब अंडों से बच्चे बाहर आ जाएँ तब तो इनकी दौड़-धूप देखते ही बनती है। अरे भाई! घोंसले में नये मेहमान आये हों तो उनकी खातिरदारी तो करनी ही पड़ती है न !

वह भी मेहमान जब खुद अपने बच्चे हों, तब तो कहना ही क्या ! उनके लिए नरम दाने चुग कर लाना और प्यार से उनके मुँह में खिलाना, यह कितना आनंददायक काम है। फिर जब बच्चे बड़े हो जाते हैं, तो वे माता-पिता के साथ बाहर निकलना शुरू कर देते हैं। माता-पिता उन्हें उड़ना तो सिखाते ही हैं, दाना चुगना, कीड़े-मकोड़ों का शिकार करना, अपनी रक्षा करना और दीनदुनिया की और भी बातें सिखाते हैं।

गौरैया, आँगन में सूखते धान के पथार पर फुर्र-से आकर बैठ जाती है। फुदक-फुदक कर दाना चुगती है और फिर खटका होते ही फुर्र-से उड़कर कहीं और जा बैठती है। वैसे यह जानने की बात है कि कश्मीर में और उत्तर-पश्चिम भारत में जो गौरैया पायी जाती है, उसका आकार कुछ बड़ा होता है, लेकिन हरकतें बिलकुल वही होती हैं। फुर्र से आना फुर्र से उड़ जाना, चीं-चीं करके आसमान सिर पर उठा लेना, यह उसकी आदत है। गौरैया हमारी मित्र है। वह कई तरह से हमारी मदद करती है। देखना भाई! आप उसे तंग न करना, बस प्यार करना।

अभ्यास

1. अपने बारे में बताइए :

(क) आपको गौरैया कैसी लगती है ?

(ख) आप गौरैया के साथ कैसा व्यवहार करते हैं ?

(ग) आप गौरैया होते तो अपना घोंसला कैसे और कहाँ बनाते ?

2. आपकी समझ से :

(क) गौरैया अपना घोंसला किन-किन चीजों से बनाती है ?

(ख) गौरैया जैसी छोटी और कौन-कौन सी चिड़ियाँ होती हैं ?

(ग) गौरैया को लोग खुद ही खाना क्यों खिलाते हैं ?

3. 'सही' कथन पर (✓) चिह्न तथा 'गलत' कथन पर (x) चिह्न लगाइए :

(क) गौरैया को लोग पिंजरे में बंद करके रखते हैं। ( )

(ख) गौरैया का घर में होना शुभ माना जाता है। ( )

(ग) गौरैया बेहद सुस्त चिड़िया है। ( )

(घ) गौरैया कई तरह से हमारी मदद करती है। ( )

4. गौरैया के विभिन्न गुणों को बताने वाले शब्दों को पाठ से चुनकर लिखिए :

जैसे- नन्हीं

....

....

....

5. नीचे दिये गये शब्दों को शुद्ध करके लिखिए :

खातीरदारी .....

चीड़ीया .....

नुखिली .....

कलिया .....

चौकनी .....

6. सोचिए, समझिए और लिखिए :

(क) गौरैया अपना घोंसला कहाँ-कहाँ बनाती है ?

.....

(ख) गौरैया के बच्चों को उड़ना कौन सिखाता है ?

.....

(ग) हमारे देश में गौरैया कहाँ-कहाँ पायी जाती है ?

.....

(घ) गौरैया क्या-क्या खाती है ?

.....

(च) गौरैया का रंग कैसा होता है ?

.....

15. बहुत हुआ

बादल भइया,
बहुत हुआ।

कीचड़-कीचड़,
पानी-पानी।
याद सभी को,
आयी नानी।
सारा घर,
दिन-रात चुआ।

जाएँ कहाँ,
कहाँ पर खेलें ?
घर में फँसे,
बोरियत झेलें।
ज्यों पिंजरे में,
मौन सुआ।

सूरज दादा,
धूप खिलाएँ।
ताल-नदी,
सड़कों से जाएँ।
तुम भी भैया,
करो दुआ।

– हरीश निगम

अध्यापन-संकेत बरसात के पानी के निस्तारण की उपयुक्त व्यवस्था नहीं रहने पर होने वाली विभिन्न समस्याओं एवं बीमारियों के बारे में बच्चों को बताएँ।

अभ्यास

1. इस कविता को लय में पढ़िए ।

2. खाली स्थानों को भरिए :

सूरज .....
..... खिलाएँ।
ताल .....
..... से जाएँ।
तुम भी .....
..... दुआ।

3. मिलते-जुलते शब्द :

इस कविता में से वैसे शब्द ढूँढ़िए जो सुनने में एक जैसे लगते हों, जैसे -

हुआ-चुआ ....

4. दिये गये शब्दों से वाक्य बनाइए :

(क) नदी .....
(ख) बादल .....
(ग) खेलना .....
(घ) सड़क .....
(च) पिंजड़ा .....

5. दिये गये उदाहरण की तरह शब्दों को लिखिए - जैसे गया-गये, हुआ-हुए :

(क) पिंजरा .....
(ख) सड़क .....
(ग) हुआ .....

6. कविता पढ़कर लिखिए

(क) कवि ने सूरज दादा से क्या कहा?
.....

(ख) कवि क्यों दुखी हैं ?
.....

(ग) बारिश होती है तो क्या-क्या होता है ?
.....

(घ) अगर बारिश न हो, तो क्या होगा?
.....

7. बादल से संबंधित कोई कविता लिखिए और सुनाइए।

8. चित्र को देखिए और बताइए कि बारिश से हमें कौन-कौन से फायदे होते हैं ?

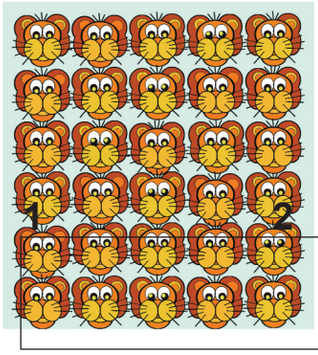

ढूँढ़िए तो जानें !

ऊपर के शेरों में से नीचे कौन-सा शेर सबसे अधिक और कौन-सा सबसे कम बार बना है ?

उत्तर : सबसे ज्यादा - 3
सबसे कम - 5

16. श्रम और धन

राजगद्दी पर बैठते ही मगध सम्राट अशोक अपने पड़ोसी राज्यों को जीतने में लग गये। ज्यों-ज्यों वे अपने खजाने को जीत में मिले रत्नों से भरते गये, त्यों-त्यों उनका मन भी अहंकारी होता चला गया। एक दिन एक विद्वान बौद्ध भिक्षु उनकी राजधानी पाटलिपुत्र पहुँचे। अशोक ने दिखावे की भावना से उन्हें भोजन पर आमंत्रित किया। भोजन करने-कराने के बाद अपना रत्न-भंडार भिक्षु को दिखाते हुए एक बड़ा रत्न हाथ में लेकर उन्होंने कहा, 'यह एक अनमोल रत्न है, जो देश में दुर्लभ है!' भिक्षु ने जिज्ञासा के स्वर में कहा, 'किंतु राजन्! यह रत्न पत्थर ही न है, या और कुछ?' अशोक ने उत्तर दिया, 'हर रत्न पत्थर ही होता है। भिक्षुराज! पर उनमें कोई-कोई ही अनमोल होता है!'

भिक्षु ने तब कहा, 'राजन्! आपके ही राज्य में इससे भी कीमती पत्थर मैंने देखा है। विश्वास न हो तो आप मेरे साथ चलें। मैं आपको दिखाता हूँ।'

सम्राट अशोक भिक्षु के साथ चल पड़े। चलते-चलते नगर की सीमा पार हो गयी। एक झोपड़ी के पास पहुँचकर भिक्षु रुक गये।

झोपड़ी खाली थी। ओसारे में पत्थर की एक चक्की गड़ी थी। उसी की ओर इशारा करते हुए भिक्षु ने कहा, 'राजन्! यह रहा वह कीमती पत्थर!'

'यह तो चक्की है भिक्षुराज!' अशोक ने हँसी उड़ाने के लहजे में कहा। भिक्षु ने गंभीर आवाज में उत्तर दिया, 'राजन्, आपने ठीक से पहचाना नहीं! यह अनमोल रत्न है! इस झोपड़ी में रहने वाली बूढ़ी को इससे रोज भोजन मिलता है। क्या आपके समग्र रत्न-पत्थर किसी को रोजी-रोटी देते हैं? बिलकुल नहीं! ऊपर से आप उनकी पहरेदारी पर लाखों मुद्राएँ खर्च करते हैं। यह पत्थर तो जीवन देता है, आपके पत्थर क्या देते हैं? पत्थर तो वही श्रेष्ठ है जो जीवन देता है।'

उसी दिन सम्राट ने लौटकर अपने सारे रत्न गरीबों में बाँट दिये।

अध्यापन-संकेत बच्चों को जीवन की मूल आवश्यकताओं के बारे में बतायें।

अभ्यास

1. 'सही' कथन पर (✓) का चिह्न तथा 'गलत' कथन पर (x) का चिह्न लगाइए :

(क) एक दिन एक गायक उसकी राजधानी पाटलिपुत्र पहुँचा। ( )

(ख) हर पत्थर अनमोल होता है। ( )

(ग) एक झोपड़ी के पास भिक्षु रुक गया। ( )

(घ) ओसारे में पत्थर की एक मूर्ति खड़ी थी। ( )

(च) सम्राट ने लौटकर अपने सारे रत्न गरीबों में बाँट दिये। ( )

2. दिये गये संयुक्ताक्षरों को देखिए, समझिए और उनसे बने शब्द पाठ से ढूँढ़कर लिखिए :

म्+र = म्र = ...

त्+र = त्र = ...

द्+र = द्र = ...

ग्+र = ग्र = ...

श्+र = श्र = ...

3. नीचे दिये गये शब्दों को ठीक करके लिखिए :

समराट .....

बौध .....

विदवान .....

जिगयासा .....

दुरलभ .....

4. पढ़िए और लिखिए :

(क) राजा बनते ही अशोक ने क्या किया ?

.....

.....

(ग) अशोक ने बौद्ध भिक्षु को क्यों आमंत्रित किया ?

(घ) भिक्षु की नजर में कीमती पत्थर क्या था ? और क्यों ?

(च) भिक्षु की बातों का सम्राट अशोक पर क्या प्रभाव पड़ा ?

5. बताइए :

(क) प्रारंभ में अशोक आपको कैसे राजा लगते हैं ?

(ख) आप अशोक की जगह होते तो क्या करते ?

(ग) 'रत्न' और 'चक्की' में से आप क्या लेना चाहेंगे और क्यों ?

(घ) अशोक अहंकारी क्यों हो गये होंगे ?

(च) 'रत्न' किसे कहते हैं ?

(छ) 'चक्की' से बूढ़ी को भोजन कैसे मिलता होगा ?

(ज) 'रत्न' से क्या-क्या काम हो सकते हैं ?

(झ) पत्थर से बनी घरेलू उपयोग की अन्य कौन-कौन सी वस्तुएँ होती हैं ?

17. चित्र देखकर कहानी बनाइए।